केवल आप के लिये

गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम

सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com

मो0 9450567450] 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती

www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क

मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 287 शनिवार 11 मई 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

भावेष स्वच्छ भारत मिशन के एम्बेसडर नियुक्त

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । नगर पालिका परिषद बस्ती द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत जन जागरूकता एवं जनभागीदारी को बढ़ाने के लिए ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त किया गया। नगर पालिका परिषद ने वर्ष 2024 के लिए नेशनल एसोसिएशन ऑफ यूथ के संस्थापक अध्यक्ष भावेष पाण्डेय को ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया। भावेष पाण्डेय पेशे से अधिवक्ता हैं।

प्रत्याशियों को देना होगा व्यय का लेखा जोखा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती लोकसभा सामान्य निर्वाचन के अन्तर्गत 61–संसदीय क्षेत्र के समस्त प्रत्याशियों को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित प्रारुप पर रजिस्टर में अपने दिन–प्रतिदिन के निर्वाचन व्यय का लेखा–जोखा रखा जाना हैं। उक्त जानकारी देते हुए जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अंद्रा वामसी ने बताया है कि इस रजिस्टर के निरीक्षण हेतु व्यय प्रेक्षक के समक्ष प्रस्तुत किया जाना है। 61–संसदीय क्षेत्र के चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों को लिखे पत्र में उन्होने बताया है कि चुनाव प्रचार अवधि के दौरान निर्वाचन व्यय लेखा रजिस्टर का प्रथम निरीक्षण 13 मई, द्वितीय 18 मई एवं तृतीय 22 मई 2024 को प्रातः 10 से सायं 5 बजे तक कलेक्ट्रेट सभागार में निर्धारित है।

उन्होने सभी प्रत्याशी को निर्देशित किया है कि उक्त निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर स्वयं अथवा अपने निर्वाचन व्यय–एजेण्ट के माध्यम से निर्वाचन व्यय रजिस्टर का निरीक्षण कराया जाना अनिवार्यतः सुनिश्चित करें। उन्होने यह भी बताया है कि उक्त का अनुपालन न किये जाने की स्थिति में सम्बन्धित प्रत्याशी के विरूद्ध लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की सुसंगत धाराओं के अधीन कार्यवाही सम्पादित की जायेगी।

हर चुनावी गतिविधि पर रहे उड़नदस्ते की नजर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । लोकसभा सामान्य निर्वाचन स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए उड़नदस्ता एवं स्टेटिक टीम को अधिक सक्रियता दिखाने के लिए जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अंद्रा वामसी ने निर्देशित किया है। आडिटोरियम में आयोजित प्रशिक्षण में टीम के सभी सदस्यों को सम्बोधित करते हुए उन्होने कहा कि अपने क्षेत्र के संबंध में पूरी जानकारी रखें, स्थान बदल–बदल कर सभी रास्तों पर चेकिंग करें। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नही होंगी। उन्होने निर्देश दिया कि प्रचार वाहन चेकिंग करते समय यह अवश्य देखे कि विण्डस्कीन पर अनुमति पत्र अवश्य लगा हों, झण्डा निर्धारित आकार का ही लगा हो। उन्होने कहा कि 11 से 24 मई महत्वपूर्ण अवधि है, इसमें अपनी पूरी हनक के साथ कार्यवाही सुनिश्चित करें।

सामान्य प्रेक्षक श्रीमती बबिता ने बताया कि उन्होने रात में भी फील्ड में जाकर टीम के कार्यो को देखा है तथा इनसे बात किया है। उन्होने निर्देश दिया कि टीम के अधिकारी केवल निर्वाचन कार्य पर फोकस करें, अनुशासित होकर वाहन चेकिंग करें तथा किसी के साथ पक्षपात ना करें।

तिहाड़ जेल से निकलकर बोले केजरीवाल देश को तानाशाही से बचाना है

नई दिल्ली (आभा)। दिल्ली आबकारी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में 50 दिन तक तिहाड़ जेल में रहने के बाद शुक्रवार देर शाम को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अंतरिम जमानत पर बाहर आए। बाहर निकलते ही उन्होंने गाड़ी में बैठकर वहां मौजूद लोगों का अभिवादन किया और सीधे घर के लिए निकल गए। अरविंद केजरीवाल का स्वागत करने के लिए तिहाड़ जेल के बाहर उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल के साथ आम आदमी पार्टी के हजारों कार्यकर्ता मौजूद थे।

तिहाड़ से निकलने के बाद केजरीवाल गाड़ी में बैठे और हाथ हिलाकर वहां मौजूद लोगों का अभिवादन करते हुए सीधे घर के लिए रवाना हो गए। हालांकि जेल से थोड़ी दूर जाने के बाद उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से संक्षिप्त अपील की। उन्होंने कहा, मैं सब लोगों का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। देश भर के लोगों ने अपना आशीर्वाद और दुआएं भेजीं, इसके लिए उनका शुक्रिया। मैं सुप्रीम कोर्ट के जजों का भी शुक्रिया करना चाहता हूं, जिनकी वजह से आपके बीच खड़ा हूं।

अरविंद केजरीवाल ने वहां मौजूद लोगों से निवेदन किया कि सभी लोग मिलकर तानाशाही के खिलाफ लड़ें। कहा कि मैं तन, मन, धन से देश को तानाशाही से बचाने के लिए लड रहा हूं। लेकिन यह लडाई मेरे अकले की नहीं है। इस लड़ाई में देश के 140 करोड़ लोगों का साथ चाहिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि कल 11 बजे सभी लोग कनाट प्लेस के हनुमान मंदिर पहुंचे। वहां हम लोग अपनी लड़ाई को जारी रखने के लिए हनुमान जी का आशीर्वाद लेंगे। फिर उन्होंने कहा कि कल 1 बजे पार्टी कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस आयोजित किया जाएगा। इस दौरान आगे की रणनीति भी बनाई जाएगी।

यौन शोषण मामले में बृजभूषण शरण सिंह पर आरोप तय

नई दिल्ली (आभा)। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख और बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह की मुश्किलें बढ़ गई हैं. दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने बृजभूषण सिंह के खिलाफ महिला पहलवान यौन शोषण मामले में आरोप तय करने के आदेश दिए हैं. कोर्ट ने कहा कि 6 में से 5 मामलों में बृजभूषण सिंह के खिलाफ आरोप तय करने के लिए पर्याप्त सामग्री मिली है.कोर्ट ने बृजभूषण के खिलाफ धारा 354 (किसी महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल), 354–डी. (पीछा करना) और धारा 506 (आपराधिक धमकी) के तहत आरोप तय करने का आदेश दिया. जबकि उन्हें छठे मामले में बरी कर दिया गया है।

ब्रजभूषण सिंह के खिलाफ महिला पहलवानों के यौन उत्पीडन मामले में तय आरोपों पर 21 मई को बहस होगी. इन आरोपों में यौन उत्पीड़न का आरोप गैरजमानती है, इसमें पांच साल की सजा है। कोर्ट ने बृजभूषण के सेक्रेटरी विनोद तोमर के खिलाफ भी आरोप तय करने का आदेश दिया है. कोर्ट ने कहा कि बृजभूषण के खिलाफ आरोप तय करने के पर्याप्त सबूत हैं।

रमेश बहादुर सिंह समर्थको के साथ भाजपा में शामिल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शुक्रवार को गौर विकास खण्ड के बेलघाट में आयोजित भारतीय जनता पार्टी के चुनावी सभा में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी की उपस्थिति में बनकटी विकास खण्ड क्षेत्र के वरिष्ठ समाजसेवी एवं पूर्व ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि रमेश बहादुर सिंह, अमित बहादुर सिंह समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हो गये। नेताद्वय ने कहा कि भाजपा के जन कल्याणकारी नीतियों से प्रभावित होकर उन्होने भाजपा में आने का निर्णय लिया है। रमेश बहादुर सिंह ने कहा कि भाजपा प्रत्याशी सांसद हरीश द्विवेदी को तीसरी बार सांसद बनाने के लिये वे पूरी ताकत झोंक देंगे।

कॉमेडियन श्याम रंगीला को भी नहीं मिला फार्म, चुनाव आयोग से गुहार

वाराणसी (आभा)। वाराणसी में पीएम मोदी के उतरने के कारण चुनाव लड़ने के लिए देश भर से लोगों की होड़ मची हुई है। इसका नतीजा रहा कि लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को भी नामांकन पत्र लेने के लिए कलक्ट्रेट पर कतार दिखाई दी। मशहूर कॉमेडियन श्याम रंगीला को भी फार्म नहीं मिल सका। उसने इसकी शिकायत चुनाव आयोग से की है। वाराणसी जिला प्रशासन को इस बाबत दिशा निर्देश देने की गुहार लगाई है। वाराणसी में 14 मई नामांकन की आखिरी तारीख है। हालांकि 11 और 12 मई को अवकाश के कारण नामांकन प्रक्रिया बंद रहेगी। ऐसे में अब केवल दो ही दिन बचे हैं।

भाजपा 10 वर्षो का लेखा जोखा लेकर जनता के बीच में है–चौधरी भूपेन्द्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लोकसभा चुनाव की तिथि जैसे जैसे करीब आ रही है भारतीय जनता पार्टी ताबड़तोड़ सम्मेलन कर रही है। इसी क्रम में शुक्रवार को बेलघाट के पटवा इण्टर कालेज में अन्नदाता किसान सम्मेलन का आयोजन किया। मुख्य अतिथि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेन्द्र सिंह ने जमकर विपक्षियों पर निशाना साधते हुए कहा 10 साल पहले की सरकार दंगाई को संरक्षण देती थी, लेकिन आज प्रदेश में दंगाई दिखाई नही दे रहे है। हम सभी मतदान के दहलीज पर खड़े है। 10 वर्षो का लेखा जोखा साथ लेकर जनता के बीच मे है, वही नकारात्मक सोच वाले लोगो के हाथ खाली है। पहले बिजली केवल वीआईपी क्षेत्रो में जाती थी पर अब पारदर्शी व्यवस्था से पूरे प्रदेश को लगातार विधुत आपूर्ति हो रही है। अब पम्पिंगसेट में जंग लग रहे है क्योकि किसानों को बिजली से निःशुल्क सिचाई हो रही है। उत्तर प्रदेश बीमारू से विकसित की तरफ बढ़ रही है।

सांसद हरीश द्विवेदी ने कहां जनता परिवारवाद और जातिवाद से ऊब चुकी है। लोगो ने मोदी जी के 10 वर्षो का कार्यकाल देखा है। मूलभूत सुविधाओं से गांव का गरीब किसान दलित पिछ्ड़ा वंचित नही रहता। मोदी जी ने जो कहा उसे गारन्टी के साथ किया।

जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने सभी का आभार ज्ञापित करते हुए कहा हम सभी कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि अधिक से अधिक मतदान कराया जाए।

प्रदेश महामंत्री सुभाष यदुवंश, क्षेत्रीय अध्यक्ष गोपेश्वर त्रिपाठी, रामानन्द नन्हे, सीपी शुक्ल, दयाराम चौधरी, रवि सोनकर, समीर सिंह, सेतभान राय, केडी चौधरी, उमाशंकर पटवा, ने संबोधित किया।

कार्यक्रम का संचालन दिलीप पाण्डेय ने किया।

इस मौके पर यशकांत सिंह, महेश शुक्ल, सुशील सिंह, राणा नागेश सिंह, जटा शंकर शुक्ल, वरुण पाण्डेय, सिंकू सिंह, विजय गुप्ता, दीपक सोनी, गौरव मणि त्रिपाठी, राजेन्द्र राजभर, मनोज पाठक, मनोज सिंह सहित भाजपा के पदाधिकारी एवं रालोद के प्रदेश महासचिव अरूणेन्द्र पटेल के साथ ही अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अक्षय तृतीया के दिन एमएलसी सुभाष यदुवंशी ने किया अतुल आटो प्रतिष्ठान का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार अक्षय तृतीया को विधान परिषद सदस्य सुभाष यदुवंशी ने वैदिक मंत्रों के बीच विधि विधान से पचपेड़िया पटेल चौराहे के निकट स्थित अतुल आटो थ्री व्हीलर प्रतिष्ठान का उद्घाटन किया। कहा कि इससे विकास को गति मिलेगी और लोगों को रोजगार भी उपलब्ध होंगे।

एम.जी.आर.गुप के चेयरमैन घनश्याम शुक्ल, मैनेजिंग डायरेक्टर शुभम शुक्ल, कार्यकारी निदेशक ई. शगुन कुमार शुक्ल ने उद्घाटन अवसर पर उपस्थित लोगों को बताया कि ट्रैक्टर के साथ ही अतुल थ्री व्हीलर के डीजल, पेट्रोल, सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहन डिलेवरी वैन, सवारी वैन उपलब्ध है। अतुल आटो के सभी माडल उपलब्ध है। कम्पनी की ओर से फाइनेन्स की भी सुविधा उपलब्ध है। 15 प्रतिशत देकर गाडी को खरीदा जा सकता है।

उद्घाटन अवसर पर मुख्य रूप से अतुल आटो के मनोज जोशी, मानस त्रिपाठी, एच.पी. सिंह ने वाहनों के बारे में तकनीकी जानकारी दिया। मुख्य रूप से राजकुमार शुक्ल, विनोद शुक्ल, आदित्य यादव, चिकन सिंह के साथ ही अनेक लोग उपस्थित रहे।

जमीनी विवाद में दबंगों ने मारा पीटा एसपी से लगाया न्याय की गुहार

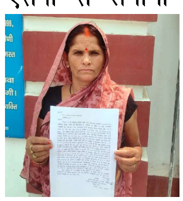

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । लालगंज थाना क्षेत्र के पाकरड़ाड निवासिनी कमलादेवी पत्नी राम मिलन ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर न्याय की गुहार लगाया है। पत्र में कमलादेवी ने कहा है कि उसकी जमीन पर गांव के ही दबंग राम प्रकट पुत्र झिनकान ने जबरिया टीनशेड रखवा लिया है। इसका विरोध करने पर गत 5 मई को दिन में लगभग 3 बजे राम प्रकट पुत्र झिनकान, पूजा पत्नी सन्तोष, आशा देवी, पत्नी राम प्रकट, प्रीती पत्नी लवकुश, दिलीप पुत्र राम रेखा आदि उसके घर पर चढ आये और भद्दी–भद्दी गालियां देते हुये कमलादेवी को बुरी तरह से मारा पीटा।

पत्र में कमलादेवी ने कहा कि बचाने आयी उसकी पतोहू नीतू , मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के कसैला यादव पुत्र प्रदीप यादव, को भी मुल्जिमानों ने लाठी–डण्डा, हसिया आदि ने मारपीट कर घायल कर दिया। प्रदीप यादव को गंभीर स्थिति में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना लालगंज थाने को दिया गया था किन्तु पुलिस ने न्याय दिलाने की जगह उल्टे भादवि की धारा 323, 504, 506, 336 के तहत मुकदमा दर्ज करा दिया। लालगंज पुलिस ने घायलों की चोटों का मुआयना भी नहीं कराया। कमलादेवी ने एसपी से मांग किया है कि दोषियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराने के साथ ही उसके परिवार के जान माल की रक्षा कराया जाय।

शत प्रतिशत मतदान के लिये दिव्यांगों ने निकाली रैली

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । लोक सभा चुनाव मे मतदान प्रतिशत को बढ़ाने के लिए विवेकानंद लोक विकास संस्था द्वारा सल्टौआ गोपालपुर विकास खंड के के भिरिया बाजार मे दिब्यांग मतदाता जागरूकता रैली निकाली गयी । रैली का शुभारम्भ ग्राम पंचायत पिटाउट के ग्राम प्रधान रविंद्र कुमार चौधरी व संस्थान के सचिव राधेश्याम चौधरी ने किया । इस मौके पर उपस्थित लोगो को शत प्रतिशत मतदान के लिए संकल्प दिलाया गया । विवेकानंद लोक विकास संस्थान के अध्यक्ष एवं दिब्यांग मतदाता के जिला स्वीप आइकान बालकेश चौधरी ने कहा की सुबह सबसे पहले मतदान करने के बाद ही जलपान करें । दिब्यांग मतदाता जागरूकता रैली भिरिया बाजार से सेखुई तिराहे तक निकाली गयी । रैली में 'आओ मिलकर अलख जगायें, शत प्रतिशत मतदान कराएं' युवा, महिला, बूढ़े हों या दिब्यांग, सब मिलकर करें मतदान, के नारे लगाते हुए सेखुई तिराहे तक रैली निकाली गयी ।

इस अवसर पर डॉक्टर अकबाल अहमद, राजू गुप्ता, ग्राम प्रधान धुवचंद मौर्य व रिंकू पाण्डेय, फूल चंद्र, अज्ञाराम, सुरेंद्र कुमार, हनुमान प्रसाद, बलराम, राम प्रसाद चौधरी , राजितराम, बाहदुर चौधरी,सुभाष चंद्र, सत्यप्रकाश, बालकेश चौधरी, दिनेश कुमार, जीतराम चौरसिया, जोगेंद्र कुमार, परमात्मा, जाहिरूँनिशा, मो इदरीश, हृदयराम, राम रूप चौहान, रामभवन यादव, जलील खान, अभयानन्द मौर्य, उमेश कुमार सहित अन्य लोगो ने हिस्सा लिया।

प्रत्याशियों को प्रकाशित कराना होगा आपराधिक विवरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । लोकसभा सामान्य निर्वाचन स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए सभी प्रत्याशियों को आदर्श आचार संहिता का पालन करना अनिवार्य है। उक्त निर्देश जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अंद्रा वामसी ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में सभी प्रत्याशियो को दिया है। उन्होने कहा कि नामांकन के दिन से प्रतिदिन लेखा, कैशबुक, बैंकबुक का नियमित रख–रखाव करना होगा। नामांकन से पूर्व सभी पोस्टर, बैनर, पम्पलेट प्रत्याशी के निर्वाचन व्यय का हिस्सा बनेंगे। बैठक में सामान्य प्रेक्षक श्रीमती बबिता, पुलिस प्रेक्षक रमेश चन्द्र छाजटा, व्यय प्रेक्षक आर.एल. अरूण प्रसाद उपस्थित रहें।

उन्होने कहा कि सभी प्रत्याशियों को अपना आपराधिक विवरण मतदान के पूर्व तीन बार बहुप्रसारित समाचार पत्र में प्रकाशित कराना अनिवार्य है, जिसकी एक प्रति आर.ओ. कार्यालय मे जमा करना होगा। उन्होने कहा कि 13 मई से पूर्व इसे एक बार अवश्य प्रकाशित करा दें।

जिला मजिस्ट्रेट ने कहा कि 10 हजार रूपये से अधिक के सभी भुगतान नकद नही होनी चाहिए, बल्कि चेक या ड्राफ्ट से या बैंक ट्रांसफर द्वारा किया जायेंगा। निर्वाचन का सभी लेन–देन नामांकन में दिये गये बैंक खाते से ही किया जायेंगा। प्राप्त सेवाओं एवं वस्तुओं का विवरण लेखा रजिस्टर में दर्ज किया जायेंगा। लेखा रजिस्टर में जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा निर्धारित रेट ही जोड़ा जायेंगा। निरीक्षण के दौरान पायी गयी विसंगति के संबंध में दी गयी नोटिस का 48 घण्टे में जवाब देना होंगा।

उन्होने कहा कि पेडन्यूज के बारे में विशेष सतर्कता बरते क्योकि इसे प्रत्याशी के खर्च में जोड़ा जायेंगा। उन्होने कहा कि मतदान के दिन प्रत्याशी के द्वारा स्थापित बूथों पर टेण्ट, कुर्सी तथा वहॉ तैनात कामगार/एजेण्ट को दी जाने वाली पारितोषिक जलपान एवं भोजन पर व्यय भी लेखे में शामिल किया जायेंगा। परिणाम घोषणा के 26वें दिन लेखा समाधान बैठक में प्रतिभाग करें एवं यदि कोई विसंगति हो, तो ठीक कर लें। उन्होने बताया कि यदि लेखा समय से और समुचित ढंग से दाखिल नही किया जाता है, तो लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 10ए के अधीन निर्हता हेतु नोटिस जारी किया जायेंगा।

उन्होने कहा कि प्रचार हेतु प्रत्येक वाहन की अनुमति लेना अनिवार्य है और अनुमति पत्र वाहन के विण्डस्क्रीन पर लगाया जायेंगा। यदि वाहन उपयोग नही किया जा रहा है, तो अनुमति निरस्त कराने के लिए दो दिन के भीतर आवेदन देना होगा। सभी प्रकार के रैली, जनसभा, सार्वजनिक बैठक के लिए अनुमति लेना अनिवार्य है। उन्होने कहा कि अनुमति के लिए 24 घण्टे के पूर्व आवेदन पत्र देना होंगा।

सामान्य प्रेक्षक श्रीमती बबिता ने कहा कि आदर्श आचार संहिता का उल्लघंन पाये जाने पर कठोर कार्यवाही की जायेंगी। व्यय प्रेक्षक आर.एल.अरूण प्रसाद ने कहा कि चुनाव संबंधी सभी खर्चे नये खाते से ही किये जायेंगे। व्यय रजिस्टर पर प्रत्याशी का हस्ताक्षर अनिवार्य है। पुलिस प्रेक्षक रमेश चन्द्र छाजटा ने कहा कि कोई भी व्यक्ति शस्त्र लेकर नही चलेंगा। नानबेलेबुल वारन्ट जारी व्यक्ति न्यायालय में हाजिर हो जाय, प्रचार करता हुआ पाया जायेंगा तो कार्यवाही की जायेंगी।

मुख्य कोषाधिकारी अशोक कुमार प्रजापति ने सभी प्रत्याशियों से कहा कि वे अपना व्यय एजेण्ट नामित कर दें। बैठक में उन्होने व्यय अनुवीक्षण से संबंधित प्रावधानों के बारे में विस्तार से जानकारी दिया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी, सीडीओ जयदेव सीएस, एडीएम कमलेश चन्द्र, सीआरओ संजीव ओझा, सभी उप जिलाधिकारी तथा एकाउण्टिंग टीम के संदस्य उपस्थित रहें।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर यज्ञ हवन, संगोष्ठी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । राष्ट्रीय ब्राह्मण महासभा परिसर मालवीय मार्ग पर अक्षय तृतीया पर भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव के अवसर पर यज्ञ हवन और संगोष्ठी करके मनाया गया।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. अशोक शुक्ल ने कहा कि भगवान परशुराम जी का जन्म मानवता के कल्याण, धर्म की स्थापना तथा सामाजिक एकता के लिए हुआ था, ने भगवान परशुराम विश्व को एक नई दिशा देने का कार्य किया ।

राष्ट्रीय महामंत्री पं शम्भू नाथ मिश्र ने कहा कि अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर बन कर तैयार हो गया अब बस्ती में परशुराम जी का मंदिर भी बन कर तैयार हैं दोनों ही विभूतियां भगवान विष्णु के अवतार हैं यह हमारा सौभाग्य है हम सभी ने इस भूमि पर जन्म लिया जहां ऋषि वशिष्ठ का आश्रम था। राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री विजय बिहारी तिवारी ने कहा कि बस्ती में भगवान परशुराम जी के मंदिर निर्माण से ब्राह्मण समाज का उत्थान होगा।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री डा0 वीरेन्द्र कुमार त्रिपाठी ने कहा कि भगवान परशुराम जी का जन्म 5142 वर्ष पूर्व सतयुग और त्रेता युग के संधिकाल में वैशाख शुक्ल पक्ष अक्षय तृतीया को ऋषि जमदग्नि और माता रेणुका के पुत्र के रूप में हुआ था। भगवान परशुराम का जन्म विश्व कल्याण के लिए हुआ था।

पंराम अजोर शुक्ल के नेतृत्व में देवस्य मिश्र, दुष्यंत शुक्ल, शिव कुमार उर्फ आलू बाबा के द्वारा पूजन अर्चन हवन का कार्यक्रम विधि विधान से सम्पन्न हुआ। मुख्य यजमान संस्थापक राष्ट्रीय महामंत्री प0 शम्भू नाथ मिश्र रहे,तत्पश्चात वृहद प्रसाद वितरण किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रशान्त पाण्डेय ,जिलाध्यक्ष राधेश्याम पाण्डेय, संजय शुक्ला, चन्द्र प्रकाश पाण्डेय,शत्रुघ्न मिश्र,प0 देवी प्रसाद पाण्डेय, आलोक मिश्रा, श्रीकेश पाण्डेय, रत्नेश पाण्डेय, दुर्गेश कुमार मिश्र, ब्रह्मा सेवक पाण्डेय,डा0 आशीष नारायण त्रिपाठी, हेमन्त मिश्र,राम किशोर पाण्डेय, कांग्रेस जिलाध्यक्ष ज्ञानेंद्र पाण्डेय 'ज्ञानू पाण्डेय',भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रमोद पाण्डेय , अमरेन्द्र पाण्डेय शिब्लू, राम किशोर पाण्डेय, अविनाश शुक्ल, इन्द्रजीत पाण्डेय, विश्वनाथ पाण्डेय,एम पी दूबे, परमहंस उपाध्याय ,संत प्रकाश त्रिपाठी, विवेक पाण्डेय,अनित शुक्ल, विवेक पांडेय लालन, मोहित शुक्ल, चन्द्रेश पाण्डेय, दुष्यन्त शुक्ला,अनिल कुमार पाण्डेय, वीरेन्द्र मणि त्रिपाठी, दयाशंकर मिश्र,अनुराग शुक्ल, सन्तोष तिवारी, मुन्ना बाबा सहित बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के सम्मानित जन उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 11 मई 2024 शनिवार

सम्पादकीय

राजनीतिक विमर्श नकारात्मक क्यों

हम कहते नहीं थकते कि देश का विकास कुलांचे भर रहा है। हम दुनिया की सबसे तेज गति वाली अर्थव्यवस्था हैं। अभी पांचवें स्थान पर हैं व जल्दी ही तीसरे स्थान पर होंगे। ये ज्ञान की सदी है। 21वीं सदी भारतीय युवाओं की है। हम चांद पर पहुंचे। हमने मंगल के दरवाजे पर दस्तक दी। हमारी ओलंपिक में उपलब्धियां रहीं। पैरा ओलंपिक में हमारे मेडलों का सैकड़ा पहली बार आया। अकसर ये हमारे मीडिया की सुर्खियां हुआ करती थीं। लेकिन सवाल है कि आम चुनाव के तीसरे चरण तक आते–आते देश का राजनीतिक विमर्श इतना नकारात्मक क्यों हो गया? आखिर क्यों हम देश की जनता को सकारात्मक मुद्दों पर चुनाव में मतदान करने के लिये प्रेरित नहीं कर सकते? अब सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, मुद्दों में नकारात्मकता व आक्रामकता क्यों है? क्यों राजनीतिक दलों के नेता आमने–सामने बैठकर अपने कार्यकाल की उपलब्धियों व भविष्य के एजेंडे को लेकर जनता से रूबरू नहीं होते? अमेरिका व अन्य विकसित देशों में शीर्ष राजनेताओं द्वारा लंबी बहसों से जनता को समझाने का प्रयास किया जाता रहा है। आखिर अमृतकाल के दौर में पहुंचकर भी देश में मतदाता इतना जागरूक क्यों नहीं हो पाया है कि उसे क्षेत्रवाद, धर्म–संप्रदाय, जातिवाद और अन्य संकीर्णताएं न लुभा सकें? क्यों चुनाव आयोग की मुहिम में बरामद रिकॉर्ड मूल्य की वस्तुओं में आधा मूल्य नशीले पदार्थों का होता है? क्यों छोटे–छोटे प्रलोभनों के जरिये मतदाता बहकते हैं? कहीं न कहीं हमारे नेताओं ने देश के जनमानस को पूरी तरह लोकतंत्र के प्रति जागरूक करने के बजाय संकीर्णता के शार्टकट से अपना उल्लू सीधा करना चाहा है। निस्संदेह, देश में साक्षरता का प्रतिशत बढ़ा है। सोशल मीडिया के जरिये समाज में जागरूकता आई है। लोग सार्वजनिक विमर्श में अखबार व अन्य मीडिया की भाषा बोलते नजर आते हैं। तो फिर वे मतदान करते समय क्यों बहक जाते हैं? आखिर क्यों कहा जाता है कि फलां जगह पचास प्रतिशत या साठ प्रतिशत मतदान हुआ है? आखिर पचास प्रतिशत या चालीस प्रतिशत वोट न देने वाले लोग कौन हैं?

यहां एक तथ्य यह भी है कि यदि आम चुनाव के दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के लोग धर्म, सांप्रदायिकता, क्षेत्र, जाति व अन्य संकीर्णताओं का सहारा ले रहे हैं तो कहीं न कहीं एक वजह यह भी है कि आजादी के साढ़े सात दशक बाद भी लोग इन मुद्दों की तरफ आकर्षित होते हैं? कई जगह सत्ता पक्ष के खिलाफ चुनावों में नाराजगी दिखायी देती है तो जनता फिर दूसरे राजनैतिक दल को सत्ता सौंप देती है। यह उसके पास विकल्प न होने की स्थिति होती है, लेकिन फिर दूसरा दल भी उन्हीं संकीर्णताओं को अपना एजेंडा बनाकर चुनाव मैदान में आ जाता है। सवाल यह है कि किसी दल ने अपने कार्यकाल में जो उपलब्धियां हासिल की हैं क्यों नहीं उन्हें चुनावी मुद्दा बनाया जाता है? क्या दल विशेष को अपनी बखान की गई उपलब्धियों की जमीनी हकीकत का अहसास होता है? भारत एक विविधता की संस्कृतियों का देश है। हर क्षेत्र की अपनी विशेषता और जरूरतें हैं। उत्तर भारत के राजनीतिक रुझान और दक्षिण भारत के राजनीतिक रुझान में हमेशा अंतर देखा गया है। जिसका लाभ एक क्षेत्र में पिछड़ने वाला राजनीतिक दल दूसरे क्षेत्र में उठाता है। हाल के दशकों में ऐसे कद्दावर नेता कम ही हुए हैं जिनकी राष्ट्रव्यापी स्वीकार्यता रही हो। लेकिन देश को एकता के सूत्र में पिरोने के लिये जरूरी है कि सत्ता की रीतियां–नीतियां पूरे देश के मनोभावों के अनुकूल हों। राजनेताओं की कार्यशैली और घोषणाएं संकीर्णताओं से मुक्त हों। यदि देश में नकारात्मक मुद्दों के आधार पर चुनाव लड़े जाते हैं तो पूरी दुनिया में कोई अच्छा संदेश नहीं जाएगा। जिसका असर हमारी अंतर्राष्ट्रीय स्वीकार्यता पर भी पड़ेगा। यदि राजनीतिक परिदृश्य में सकारात्मकता का प्रवाह नहीं होता तो हम कैसे दावा कर सकते हैं कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। बड़े लोकतंत्र का बड़प्पन हमारे राजनेताओं में भी नजर आना चाहिए और मतदाताओं में भी। यदि हम संकीर्णताओं के पक्ष में मतदान कर रहे होते हैं तो कहीं न कहीं हम कमजोर व अयोग्य लोगों को ऊंची कुर्सी पर बैठाकर लोकतंत्र का अवमूल्यन कर रहे होते हैं।

कैसे ध्वस्त हों चीन के नापाक मंसूबे

-ले. जनरल प्रदीप बाली-
(अ.प्रा.)

इतिहास को मनमाफिक गढ़ना और भौगोलिक हकीकतों से छेड़छाड़ चीन की प्रवृत्ति रही है। यह उसकी आधिपत्यवादी प्रवृत्ति और मंसूबों को सुहाता है। इसके लिए, उसे वास्तविकता से परे के तथ्यों को गढ़ने की जरूरत पड़ती है। चीन अक्सर भारतीय भूमि के कई हिस्सों पर अपना दावा ठोकता आया है, पिछले कई सालों से अक्सर अरुणाचल प्रदेश में बस्तियों और भूभाग का नाम बदलने से उसे खुशी महसूस होती है। चीनी नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने 2017 में गढ़े नामों की पहली सूची जारी की थी, जिसमें छह जगहों का जिक्र था। फिर 15 नये नामों वाली दूसरी सूची 2021 में आई, 2023 की सूची में 11 जगहों का नाम बदला हुआ था। भौगोलिक नाम बदलने के इस खेल में चौथी और नवीनतम सूची 1 अप्रैल, 2024 को जारी की गई है, जिसमें अरुणाचल प्रदेश की 30 और जगहें शामिल की गई हैं। खुद अरुणाचल प्रदेश का नाम चीनियों ने 'जगनान' रखा हुआ है। उम्मीद के मुताबिक भारत ने कड़े प्रतिरोध के साथ इस नौटंकी को खारिज किया है।

इस कृत्य के समांतर वास्तविक नियंत्रण रेखा के उत्तर में सीमांत इलाकों को विकसित करने की आड़ में चीन शियाओकांग नामक रिहायशी बस्तियां समूची सीमा रेखा के ठीक बगल में स्थापित कर रहा है। पिछले सालों में लगभग 600 ऐसे गांव बसाए जा चुके हैं और 'विकास कार्यक्रम' के तहत और 175 बस्तियां बनाने की योजना है। बिना शक यह सारी प्रक्रिया चीन के इलाकाई दावों को पुष्ट करने और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी का अतिरिक्त सहायता तंत्र बनाने के मकसद से है। यहां चीन 'कानूनी रणनीति' का कपटी खेल भी खेल रहा है। भारत के साथ 'सीमा रक्षा सहयोग संधि–2005' के मुताबिक जब कभी वास्तविक सीमा नियंत्रण रेखा की निशानदेही होगी तो पूर्व–स्थापित आबादियों को नहीं छेड़ा जाएगा।

चीनी रणनीति का यह रंग–ढंग अन्य मुल्कों से सीमा विवादों में भी झलकता है। जापान प्रशासित सेन्काकु द्वीप को दियाओऊ नाम देकर, चीन उसे अपना हिस्सा बताने का दावा करता आया है। सर्वविदित है कि चीन की तथाकथित 'नौ–बिंदु सीमारेखा' समस्त दक्षिणी चीन सागर में उसके इलाकाई दावों को मजबूत बनाने का एक पैंतरा है। यह अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है, खासकर 'संयुक्त राष्ट्र सागरीय कानून अधिवेशन' के प्रावधानों का। दावेदारी की यह रेखा ब्रूनेई के विशेष निर्यात क्षेत्र, इंडोनेशिया, फिलीपींस, ताईवान और वियतनाम के इलाकों का अतिक्रमण करती है। चीन समुद्र में कंक्रीट डालकर छोटे द्वीपों और उभरी चट्टानों को बड़े टापुओं में तब्दील कर रहा है। इन मानव–निर्मित भौगोलिक द्वीपों का निर्माण करने के पीछे उद्देश्य है सैन्य लाभ सुदृढ़ करना और अपने पड़ोसियों को जताना कि भिड़ने पर भविष्य में क्या हो सकता है।

भौगोलिक और ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़ने–मरोड़ने की छूट लेने की उसकी यह प्रवृत्ति भूटान में 2017 में स्पष्ट जाहिर हुई, जब चीन की पीएलए ने डोकलाम पठार को झम्पेरी रिज तक कब्जाने का यत्न किया। इसने भारत को क्रोधित किया क्योंकि यह अतिक्रमण हमारी रक्षा संबंधी चिंताओं को बढ़ाता है। तभी भारतीय सेना को यह कब्जा आमने–सामने के टकराव सेफिल करना पड़ा। किसी इलाके का अतिक्रमण कर उसका 'बधियाकरण' करने का एक उदाहरण तिब्बत है, जिसे चीन ने 1951 ने कब्जाया था और 1959 में पूर्ण नियंत्रण बना लिया। चीनी शासकों ने दिखावे को 'तिब्बत सार्वभौमिक क्षेत्र' की स्थापना की है, जिसे आमतौर पर 'राजनीतिक तिब्बत' कहा जाता है और इसका क्षेत्रफल शेष तिब्बत से कहीं छोटा है। ऐतिहासिक रूप से, जनजातीय तिब्बत में तीन मुख्य इलाके हैं– यूत्सांग, खाम और अम्दो। वर्ष 1955 में अम्दो का विलय किंगहाई प्रांत में कर दिया और 1957 में खाम कोगांजे सार्वभौमिक प्रदेश के साथ मिला दिया गया। इसी प्रकार तिब्बत के बाकी जनजातीय इलाकों का विलय गनसू और युनान प्रांतों में कर डाला। वास्तव में, मूल तिब्बत राज्य में अब सिर्फ यू–त्सांग क्षेत्र ही 'राजनीतिक तिब्बत' है। वर्ष 1911 और 1951 के बीच, तिब्बत चीनी गणतंत्र के मंसूबों से कमोबेश मुक्त रहा। अम्दो में 14वें दलाईलामा का जन्म हुआ और उनके अंगरक्षक खाम इलाके से हैं, जिन्हें तिब्बतियों की लड़ाकू जाति के तौर पर जाना जाता है।

चीन ने साथ लगते और बहुत ज्यादा जनसंख्या के बोझ तले दबे हान प्रांत से चीनी मूल के लोगों को तिब्बत के विभिन्न हिस्सों में बसाकर अंदरूनी जनसंख्या स्थानांतरण करवाया है। अधिकांश सीमांत गांव समूची वास्तविक सीमा नियंत्रण रेखा के ठीक साथ सटाकर बनाए गए हैं, जिनमें लगभग सभी 'हान' हैं। इन चीनी प्रवासियों को वहां बसने–रहने की एवज में काफी आर्थिक लाभ दिए जाते हैंदूऔर तिब्बत का जातीय स्वरूप बदलने में यह मुख्य अवयव है।

चीन की धूर्त रणनीति के जवाब में भारत की प्रतिक्रिया बेपरवाही से लेकर बड़ी–बड़ी बातें करने तक ही रही है। नाम बदलने के नवीनतम खेल पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की प्रतिक्रिया बेहद सधी रही। 9 अप्रैल को पूर्वी अरुणाचल प्रदेश में एक जनसभा में उन्होंने कहा रू 'मैं अपने पड़ोसी को बताना चाहता हूं कि नाम बदलने से कुछ हासिल नहीं होने वाला। कल को यदि हम चीन के राज्यों का नाम बदल दें तो क्या वह उन्हें हमें सौंप देगा?' चीन से हमारे सीमा संबंधी मुद्दे द्विपक्षीय चिंताओं वाले रहे हैं। तथापि, पिछले कुछ समय से, अमेरिका भारत की पीठ पर हाथ रख रहा है। भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने हाल ही में बयान दिया रू 'भारत के इलाकों का नाम बदलना चीन का काम नहीं है और वे भारतीय भूभाग का हिस्सा हैं', यह स्वागतयोग्य कदम है। पूरब में देखें तो शंघाई सहयोग संगठन में चीन के विकृत दावों ने तीखी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया पैदा की है। चाहे यह क्वाड संघ हो (जिसमें भारत सहित अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान हैं) या ऑस्ट्रेलिया, यूके एवं अमेरिका से बना ऑकस संघ या फिर अमेरिका, जापान, फिलीपींस का त्रिकोणीय गुट, इन सबका ध्यान शंघाई सहयोग संगठन की बैठकों में चीनी मंसूबों का विरोध कर वैधानिक विश्व–व्यवस्था बनाने पर केंद्रित है।

भारत को चीन द्वारा ऐतिहासिक–भौगोलिक तथ्यों से छेड़छाड़ के प्रयासों का प्रत्युत्तर शिद्दत और निरंतरता से देने की जरूरत है। हमें इन मुद्दों को मजबूती से उठाना होगा और चीनी दावों के विरोध में लिखित प्रतिरोध करना होगा। वर्ना उन्हें तथ्य के तौर पर स्वीकार कर लिया जाएगा। सीमावर्ती इलाके में हमारी तरफ की भौगोलिकता अत्यधिक दुरूह है और भूभाग अधिकांशतः तीखा पर्वतीय या घना जंगल है। यह हाल ठीक वास्तविक नियंत्रण रेखा तक है। अपने इलाके में हमें बुनियादी ढांचा विकसित करने का काम निरंतर जारी रखना होगा। सीमा सड़क संगठन इस चुनौती से पार पाने में प्रयासरत है। हाल ही में अरुणाचल प्रदेश में सेला सुरंग का उद्घाटन भारत की वास्तविक नियंत्रण सीमा रेखा को लेकर तैयारियों को बल देगा। हालांकि यह काम बहुत विशाल स्तर का है और हमें तीखी ऊंचाइयों पर काम करने की सामर्थ्य बढ़ानी होगी।

लोगों का सीमांत इलाके से पलायन रोकने को हमें सीमा पर गांव बसाने को प्रोत्साहित करने की जरूरत है। इसके लिए आर्थिक लाभ की पेशकश और तेज गति की संचार व्यवस्था बनाना पहला कदम है। जहां सेना इन कामों में मददगार हो सकती है, वहीं इस सबके लिए नीतियां बनाना राजनीतिक नेतृत्व का कार्यक्षेत्र है। सबसे ऊपर, जो भारतीय नागरिक सीमावर्ती इलाके में बसे हैं उनकी संवेदनशीलता को सदा जहन में रखना आवश्यक है।–लेखक सैन्य मामलों के स्तंभकार हैं।

चुनावःबड़े परिवारों वाले 'घुसपैठिए' कौन ?

—जूलियो रिबैरो—

राजस्थान में एक चुनावी सभा को संबोधित करते समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भूल गए कि वह प्रधानमंत्री हैं और यह भी भूल गए कि उन्हें चुनाव आयोग द्वारा बनाई गई आदर्श आचार संहिता (एम.सी.सी.) का पालन करना है। उनके अंतरतम विचारों ने उनकी जीभ पर कब्जा कर लिया। उन्होंने मुसलमानों पर (बिना नाम लिए) घुसपैठिया होने का आरोप लगाया, जो कभी न कभी भारत में चोरी–छिपे घुस आए थे। उन्होंने उन पर कई बच्चे पैदा करने का भी आरोप लगाया। किस बात ने उन्हें विचलित कर दिया? मेरा अनुमान है कि उन्हें यह अहसास हो गया है कि उनकी अपनी लोकप्रियता, जो प्रतिशत के हिसाब से राहुल गांधी की तुलना में दोगुनी से भी अधिक थी, कम हो गई है और राहुल की लोकप्रियता बढ़ी है। यह ज्ञान उन्हें चिड़चिड़ा और परेशान बना रहा है।

अपने अंतर्निहित पूर्वाग्रहों पर सम्मानजनक नियंत्रण बनाए रखने की बजाय उन्होंने गहरे संकट और क्रोध के क्षण में कहा कि गांधी परिवार की कांग्रेस पार्टी अमीरों की पत्नियों के सोने के आभूषणों को छीनने और उन्हें उन लोगों को 'बांटने' की योजना बना रही है, जो घुसपैठिए हैं और कई बच्चे पैदा करते हैं! इस गलती को महसूस करते हुए अगले दिन उनकी प्रचार मशीन द्वारा उनके भाषण के आधिकारिक संस्करण में घुसपैठियों और बड़े परिवारों का संदर्भ छोड़ दिया गया।

अतीत का चुनाव आयोग, जिसने न्याय और निष्पक्षता के साथ भारतीय चुनाव कराने के लिए इतनी मजबूत प्रतिष्ठा बनाई थी, अगर एम.सी.सी. के ऐसे चरम उल्लंघन होते तो तुरंत हस्तक्षेप करता, यदि उनके संज्ञान में लाया जाता। यह शर्म की बात है कि आज के ई.सी.आई. ने नरेंद्र मोदी के मामले में अधिक तेजी और निर्णायक कार्रवाई करना उचित नहीं समझा। कमजोरी के इस संकेत का फायदा उन लोगों द्वारा उठाया जाएगा, जो यह मानते हैं कि शासन की सभी संस्थाएं उस संविधान को दरकिनार करके सत्तारूढ़ व्यवस्था के प्रमुख के एकमात्र अधिकार को बनाए रखने के लिए एक अलिखित दायित्व के तहत हैं, जिसने चुनाव आयोग की स्वतंत्रता की गारंटी दी और भय या पक्षपात के बिना कार्य करना अपेक्षा की है।

हम मुस्लिम अल्पसंख्यकों के खिलाफ मोदी द्वारा लगाए गए घुसपैठिए होने के पहले आरोप का यथासंभव विश्लेषण करें। हमारे जैसे विशाल देश में ऐसे लोग बहुत कम, नगण्य संख्या में होंगे, जो सीमा पार कर आए हैं। सैन्यीकृत पश्चिमी सीमा पर संख्या कम है। वे मुस्लिम बहुल जम्मू–कश्मीर में उत्पात मचाने के लिए घुस आते हैं। भारत इस समस्या पर ध्यान दे रहा है। इन विशेष रूप से 'अवांछित मेहमानों' को सोने के आभूषणों में कोई दिलचस्पी नहीं है। वे हमारे सुरक्षा बलों को चौबीसों घंटे सतर्क रखने के लिए आए हैं। हमारी पूर्वी सीमाओं पर घुसपैठिए एक जीवंत समस्या है। यह उस प्रकार की आर्थिक समस्या है, जिसका सामना यू.एस., कनाडा और यू.के. को करना पड़ता था जब पंजाब या यहां तक कि गुजरात से हमारे लड़के हरे–भरे चरागाहों की तलाश में अधिक समृद्ध पश्चिमी देशों में अवैध रूप से घुसने की कोशिश करते थे।

बंगलादेशीयों का पश्चिम बंगाल या असम में घुसना एक बड़ी समस्या थी, जो पिछले एक या दो दशकों में कम हो गई है क्योंकि कपड़ा निर्माण और निर्यात के कारण बंगलादेश की अर्थव्यवस्था में सुधार हुआ है। पाकिस्तानी प्रभुत्व से बंगलादेश की मुक्ति से पहले ही बंगलादेशी, ङ्क्षहदू और मुस्लिम दोनों, असम में आ गए थे। उस आमद ने असम में एक बड़ी आर्थिक और सामाजिक समस्या पैदा कर दी, जिसके कारण उस राज्य में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर का निर्माण हुआ। वह मामला अभी तक सुलझ नहीं सका है क्योंकि उसके बाद हुई गिनती में मुसलमानों से ज्यादा हिंदू घुसपैठिए घोषित किए गए थे। हिंदू घुसपैठियों का निष्कासन हिंदुत्व विचारधारा के खिलाफ गया और सी.ए.ए. के निर्माण का कारण बना।

यदि मोदी सभी मुसलमानों का जिक्र कर रहे हैं, जैसा कि वे सुझाव दे रहे हैं, तो उनकी हताशा का कोई कानूनी या नैतिक आधार नहीं है। भारत पर आक्रमण करने वाले मुगलों और अफगानों ने मिश्रित वंशज पीछे छोड़ दिए लेकिन अलैग्जेंडर भी ऐसा ही था, जिसकी मैसेडोनियन सेना फारसियों पर विजय प्राप्त करने के बाद सिंधु के तट तक पहुंची। दुनिया में शायद ही कोई ऐसा देश हो, जो कह सके कि वह 'घुसपैठियों' से मुक्त है। इतिहास दर्ज होने के समय से ही सभी सभ्यताओं ने एलियंस की गतिविधियों का अनुभव किया है। भारत में आर्यों ने द्रविड़ों और मूल जनजातियों का अनुसरण किया, जिन्हें हम आदिवासी कहते हैं।

हमारे देश के उत्तर–पूर्व में रहने वाली मंगोलॉयड जातियां इस परिदृश्य में एक और आयाम जोड़ती हैं। आर्यों की बात करें तो एडोल्फ हिटलर ने यहूदियों और जिप्सियों से छुटकारा पा लिया क्योंकि वह आर्य जाति की शुद्धता सुनिश्चित करना चाहता था! अयातुल्ला के देश का कार्यभार संभालने से पहले ईरान के शाह द्वारा ग्रहण की गई उपाधियों में से एक 'आर्यमेहर' थी। (कृपया ध्यान दें कि आर्यों को अपमानित करने का मेरा कोई इरादा नहीं है क्योंकि मेरे अपने पूर्वज उसी वंश के थे, जो हजारों साल पहले ऋषि परशुराम के साथ गोवा आए थे)।

मोदी के अपने राज्य गुजरात में राजपूत वंश के मुसलमानों का एक समुदाय है, जिसे 'मुस्लिमीन घेरासिया' कहा जाता है, जो मुगल शासनकाल के दौरान इस्लाम में परिवर्तित हो गया था। परिवार का सबसे बड़ा बेटा मुस्लिम नाम रखता है लेकिन अन्य बेटे और बेटियां हिंदू नाम रखना जारी रखते हैं। पुराने बम्बई प्रांत में एक आई.ए.एस. अधिकारी फतेह सिंह राणा थे, जो एक समय राज्य के गृह सचिव थे, जो एक मुस्लिम घरेसिया थे। मैं मोदी जी पर यह प्रभाव डालने की कोशिश कर रहा हूं कि सभी मुसलमान उस अर्थ में घुसपैठिए नहीं हैं, जैसा वह उनका वर्णन कर रहे हैं। जिनके पास मुगल, अफगान या फारसी रक्त है, वे आर्यों की तरह भारत का अभिन्न अंग बन गए हैं, जो हजारों साल पहले यहां बस गए थे।

मुसलमानों पर दूसरा आरोप यह है कि उनके असंख्य बच्चे हैं। मुस्लिम और हिंदू दोनों, गरीबी में डूबे, कम पढ़े–लिखे परिवारों में यह एक आम लक्षण है। जहां महिलाएं शिक्षित हैं, या केवल साक्षर हैं और परिवार की आर्थिक स्थिति आरामदायक है, वहां पुनरुत्पादन गतिविधियों को नियंत्रण में रखा जाता है क्योंकि ऐसे परिवारों को जल्द ही अहसास हो जाता है कि बड़े परिवार आर्थिक प्रगति में बाधा हैं। केरल में, जहां मुस्लिम और पिछड़े वर्ग की सभी महिलाएं शिक्षित हैं और उनके पुरुष खाड़ी देशों में कार्यरत हैं, उनके परिवारों का आकार उनके हिंदू या ईसाई भाइयों से अलग नहीं है। धर्म का परिवार के आकार से कोई लेना–देना नहीं है। मुझे यकीन है कि हमारे प्रधानमंत्री इस तथ्य को जानते हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से चुनावी विचारों या सीधे तौर पर पूर्वाग्रह के कारण यह आरोप लगाया है।

यहूदी और ईसाई धर्म की तरह, इस्लाम एक इब्राहीम धर्म है। बाइबल में भी कहा गया है, 'बाहर जाओ और गुणा करो'। तब यही आवश्यकता थी। उपदेश अब प्रासंगिक नहीं है। यहां तक कि पोप ने भी हाल ही में टिप्पणी की थी कि किसी से भी 'खरगोशों की तरह' प्रजनन की उम्मीद नहीं की जाती। चूंकि अधिकांश ईसाई महिलाएं साक्षर हैं और चूंकि अधिकांश ईसाई पुरुष लाभकारी रूप से कार्यरत हैं, इसलिए बहुत अधिक बच्चे पैदा करने का प्रश्न लंबे समय से त्याग दिया गया है। जैसे ही शिक्षा का प्रसार होगा, विशेषकर महिलाओं में और आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, इस्लाम अपनी पकड़ बना लेगा। यदि ई.सी.आई. मोदी जैसे एक शक्तिशाली प्रधानमंत्री के खिलाफ कार्रवाई करने से डरता है तो उसे कम से कम उनकी असंयमित टिप्पणियों के लिए उन्हें भी फटकार लगानी चाहिए। वह कम से कम इतना तो कर ही सकता है। लेखक (पूर्व डी.जी.पी. पंजाब व पूर्व आई.पी.एस. अधिकारी हैं)

शिक्षक के हाथों में ही विद्यार्थी का भविष्य

-प्रि. डा. मोहन लाल शर्मा-

छात्रों के जीवन को बेहतरीन बनाने का कार्य शिक्षक के सिवाय कोई और नहीं कर सकता, परन्तु आज शिक्षक खुद परेशान है। जब शिक्षक को ऐसा लगता है कि समाज में या शिक्षण संस्थानों में उनके काम को महत्व नहीं दिया जा रहा या उसकी सराहना नहीं की जा रही, तो वह हतोत्साहित और तनाव से घिर जाता है। शिक्षक सुखी हो, तो पढ़ाई का स्तर बहुत अधिक सुधर सकता है। अगर शिक्षक का अधिक समय तनाव, आपसी मतभेदों और इधर–उधर की बातों में व्यर्थ होता है, तो इसका सबसे अधिक असर बच्चों की पढ़ाई पर पड़ेगा।

अंग्रेजी का एक शब्द है 'बर्नआउट'। इसका अर्थ है बहुत अधिक काम के कारण अवसाद, चिड़चिड़ापन और हमेशा थकान का अनुभव होना। जैसे किसी वाहन में ईंधन खत्म हो जाए, और वह रुक जाए, ऐसी ही हालत बहुत अधिक काम की वजह से किसी इंसान की हो जाए, तो उसे 'बर्नआउट' का शिकार कहा जा सकता है। गौरतलब है कि देश में शिक्षण के पेशे में भी 'बर्नआऊट' की गंभीर समस्या होने लग गई है, पर इस पर शायद ही कोई गंभीरता से ध्यान दे रहा हो। शिक्षक तनाव महसूस करते हैं, उन्हें शारीरिक और मानसिक थकान का अनुभव होता है, तो वे अक्सर अपने कामकाज को लेकर उदासीन हो जाते हैं। नौकरी में आनंद नहीं बचता, मगर नौकरी करना मजबूरी भी है। इसका सबसे बुरा असर पड़ता है बच्चों पर, जो स्कूल या कालेज में पढ़ रहे होते हैं।

स्कूलों में शिक्षकों की संख्या अक्सर आवश्यकता से कम होती है। जब कुछ शिक्षक गैरहाजिर हों, तो समस्या और बढ़ जाती है। बाकी शिक्षकों को अनुपस्थित शिक्षकों की कक्षाएं लेनी पड़ती हैं, जिसका अर्थ है अतिरिक्त जिम्मेदारी और दोहरा तनाव। अक्सर स्कूलों में शिक्षकों को प्रशासनिक काम भी सौंप दिए जाते हैं। जब शिक्षकों को पर्याप्त वेतन नहीं मिलता है या पर्याप्त लाभ नहीं मिलता, तो यह उन्हें बहुत थका हुआ और निराश कर सकता है। यह शिक्षण के लिए उनकी ऊर्जा और प्रेरणा को छीन लेता है। ऐसी भी व्यवस्था हो कि काम के बाद शिक्षक पूरी तरह से अपने व्यक्तिगत और पारिवारिक जीवन पर ध्यान दे सकें।

अगर शिक्षकों पर प्रशासनिक काम का बोझ लाद दिया जाता है, तो यह सुनिश्चित करना चाहिए कि क्या वे इस काम के लिए इच्छुक हैं? ऐसी हालत में उन्हें इसके आर्थिक फायदे मिलने चाहिएं या फिर अतिरिक्त काम के बदले में अवकाश दिया जाए। पेशेवर विकास के लिए शिक्षकों के पास पर्याप्त अवसर होने चाहिएं। इससे उनका हुनर बढ़ेगा और वे शिक्षण के क्षेत्र में हो रहे नए प्रयोगों से परिचित होंगे। शिक्षकों के ऐसे समूह होने चाहिएं, जिनमें वे एक–दूसरे की सहायता कर सकें। इससे उनका दबाव काफी हद तक घटेगा। आपसी सहयोग की संस्कृति स्कूल को हर क्षेत्र में मदद करेगी।

स्कूल की बुनियादी सुविधाओं पर ध्यान देना जरूरी है। शहरों में कई स्कूल बहुमंजिला होते हैं। ऐसे में शिक्षक को बार–बार ऊपर–नीचे जाना पड़ सकता है। अधिक उम्र के शिक्षकों को ज्यादा कक्षाएं निचली मंजिल पर ही मिलें, समय सारिणी बनाने वाले को इसका ख्याल रखना चाहिए। शिक्षक सुखी हो, तो पढ़ाई का स्तर बहुत अधिक सुधर सकता है। एक सुखी, हंसमुख शिक्षक अपने विषय में भी पारंगत होता है और बच्चे उसके विषय को पसंद भी करते हैं क्योंकि बच्चे विषय को शिक्षक के व्यक्तित्व के साथ जोड़ कर देखते हैं।

सकारात्मक स्कूली संस्कृति छात्र और शिक्षक दोनों के लिए कितनी लाभकारी होगी, यह आसानी से समझा जा सकता है। शिक्षकों के लिए जरूरी है कि उनके रोजमर्रा के जीवन में ऐसा समय भी हो जब उन्हें स्कूल, छात्रों और काम के बारे में बिल्कुल सोचना न पड़े। यह जिम्मेदारी खुद उनकी है कि ऐसा समय वे खुद की और परिवार की देखभाल में बिताएं क्योंकि परिवार के सदस्यों के बीच समय बिताने से काम के तनाव को कम किया जा सकता है। सही संगी–साथियों और बेहतर माहौल तैयार करके भी इससे बचा जा सकता है।

अब भारत में पटाखा भी फूटता तो पाकिस्तान सफाई देता है, कहीं सर्जिकल स्ट्राइक न हो जाए

संवाददाता—बहराइच। बहराइच संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी डॉ. आनंद गोंड के समर्थन में सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को महसी विधानसभा के रमपुरवा में विशाल जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने संबोधन में कांग्रेस व सपा गठबंधन को आड़े हाथों लिया। सीएम ने कहा कि महाराजा सुहेलदेव की वीरभूमि, महर्षि बालार्क की तपोभूमि व चहलारी नरेश बलभद्र सिंह की पावन भूमि पर भाजपा के समर्थकों ने पंडाल की सीमा को तोड़कर कार्यक्रम को सफल बनाया है। बीते विधानसभा चुनाव में यहां आया था। आप लोगों ने अपना आशीर्वाद दिया। सुरेश्वर सिंह विधायक बने। उत्तर प्रदेश में आपकी भाजपा सरकार बनी और राम मंदिर बना। माफिया और गुंडों का राम नाम सत्य हुआ। भाजपा की मोदी सरकार ने विकास का कार्य किया है आपके सपनों को साकार किया है और ऐसी सरकार को बार—बार अवसर दें।

उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत बदल रहा है। विकसित भारत की संकल्पना साकार हो रही है। कांग्रेस के कार्यकाल में सीमाएं सुरक्षित नहीं थी। आतंकवाद, नक्सलवाद व भ्रष्टाचार फैला हुआ था। गरीब भूख से मरता था। किसान आत्महत्या करता था। जगह—जगह दंगे होते थे। गुंडागर्दी होती थी। मंदिर व सीआरपीएफ कैंप व कचहरी में आतंकी हमला होता था। बीते 10 वर्ष के मोदी के कार्यकाल में दुनिया में भारत का सम्मान हुआ है। आतंकवाद व नक्सलवाद समाप्त हुआ है। अब अगर हिंदुस्तान में कहीं पटाखा भी फूटता है तो पाकिस्तान सफाई देने लगता है सोचता है कहीं लेने के देने न पड़ जाए, सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक न हो जाए। हमारी सरकार ने हाईवे, रेलवे, एक्सप्रेसवे, एम्स, यूनिवर्सिटी व मेडिकल कॉलेज बनवाए।

बहराइच में भी महाराजा सुहेलदेव के नाम पर मेडिकल कॉलेज बनवाने का काम किया। कांग्रेस के कार्यकाल में सरयू नहर राष्ट्रीय योजना छह वर्ष तक ठंडे बस्ते में पड़ी रही। 45 साल तक काम पूरा नहीं हुआ। मोदी सरकार में यह योजना पूरी हुई। 14 लाख हेक्टेयर भूमि को नहरों से पानी मिल रहा है। कांग्रेस की सरकार योजना बनाती थी और भ्रष्टाचार करती थी। हम योजना बनाते भी हैं और उसे लागू भी करते हैं। मोदी सरकार में विकास सर चढ़कर बोल रहा है। मैं यहां सत्ता प्राप्त करने के लिए नहीं आया हूं। यह वही धरती है जिसने सोमनाथ के गुनहगार सैयद सालार मसूद गाजी को महाराजा सुहेलदेव ने उनके पापों का दंड दिया था।

कांग्रेस, सपा व बसपा ने अपने कार्यकाल में महाराजा सुहेलदेव का स्मारक न बनवा करके उनका अपमान किया। उन्हें भय था कि कहीं महाराजा सुहेलदेव का स्मारक बनवाया तो मसूद गाजी के समर्थक उनसे नाराज न हो जाए और उन्हें वोट न दे। हमारी सरकार ने महाराजा सुहेलदेव स्मारक बनवाने का काम किया और उन्हें सम्मान दिया। सीएम ने सपा के प्रोफेसर रामगोपाल यादव की ओर इशारा करते हुए कहा यह वही लोग हैं जो राम मंदिर को बेकार कहते हैं। भारत में जो राम का नहीं वह किसी काम का नहीं। अबकी बार निश्चित ही भाजपा सरकार 400 सीट के पार होगी।

भाषण के अंत में सीएम योगी आदित्यनाथ ने जन सैलाब से अपील करते हुए कहा कि इस बार यूपी में भाजपा गठबंधन की 80 सीटें आ रही हैं। यहां से भी भारी मतों से डा. आनंद गोंड को जिताकर संसद पहुंचाएं।

मुख्यमंत्री आगमन से सांसद अक्षयवरलाल गोंड, पूर्व विधायक महसी सुरेश्वर सिंह, सदर अनुपमा जायसवाल, अपना दल विधायक राम निवास वर्मा, एमएलसी प्रज्ञा त्रिपाठी, जिलाध्यक्ष बृजेश पांडेय ने भी लोगों को भाजपा की जनकल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराया और भाजपा को वोट देने की अपील की।

ट्रक और स्कार्पियो की आमने-सामने की टक्कर तीन की मौत, आठ घायल

संवाददाता—गोण्डा। अयोध्या से मुंडन कराकर परिवार और रिश्तेदारों के साथ लौट रहे स्कार्पियो सवार लोगों की गोंडा अयोध्या राजमार्ग पर साहिबा पुर के पास ट्रक और स्कॉर्पियो की आमने—सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार के परखच्चे उड़ गए हैं। इस हादसे में चालक समेत तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गोंडा— अयोध्या राजमार्ग पर शुक्रवार की दोपहर बाद अयोध्या मुंडन कराकर लौट रही स्कॉर्पियो की वजीरगंज साहिबापुर के पास ट्रक से टक्कर हो गई। स्कॉर्पियो में महिला पुरुष और बच्चे मिलकर 15 लोग सवार थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कॉर्पियो टुकड़े—टुकड़े हो गई। हादसे में एक महिला, एक पुरुष और एक बच्चे की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि आठ लोग गंभीर रूप से घायल हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तत्काल सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। इसमें कई की हालत नाजुक बताई जा रही है। मृतकों में वजीरगंज थाना के गांव नगवा के रहने वाले 50 वर्षीय माता दीन स्कॉर्पियो चालक, नवाबगंज थाना क्षेत्र के बिसनोहरपुर गांव की रहने वाली 40 वर्षीय रानी पत्नी आनंद तिवारी और वजीरगंज थाना क्षेत्र के नगवा गांव के रहने वाले शिवपूजन मिश्रा का 8 वर्षीय पुत्र श्लोक मिश्रा की मौत हो गई। जबकि घायलों में नगवा गांव की रहने वाली 28 वर्षीय मोहिनी मिश्रा पुत्री धर्म दत्त मिश्रा, 45 वर्षीय नेहा मिश्रा पत्नी धर्म दत्त मिश्रा, 30 वर्षीय प्रीति तिवारी पत्नी महेश मिश्रा, 28 वर्षीय हिमेश पुत्र धर्म दत्त मिश्रा, और 22 वर्षीय आदर्श पांडे पुत्र कमलेश पांडे , वजीरगंज थाना क्षेत्र के बरईपारा गांव की रहने वाली 14 वर्षीय रोली तिवारी पुत्री ध्रुव राज तिवारी गंभीर रूप से घायल हैं। वही स्कॉर्पियो में सवार गोंडा देहात कोतवाली क्षेत्र के रामनगर तरहर गांव की रहने वाली 21 वर्षीय लक्ष्मी तिवारी पुत्री इकबाल तिवारी, और देहात कोतवाली क्षेत्र के ताजपुर गांव की रहने वाली 14 वर्षीय अंशिका पांडे पुत्री विनोद पांडे गंभीर रूप से घायल हैं। इस संबंध में वजीरगंज थाना प्रभारी अभय कुमार सिंह ने बताया कि दुर्घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर सभी घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में पहुंचाया गया है।

नशे में धुत्त पति ने पहले पत्नी का किया कत्ल, फिर बेटी का सिर कूंच कर मार डाला

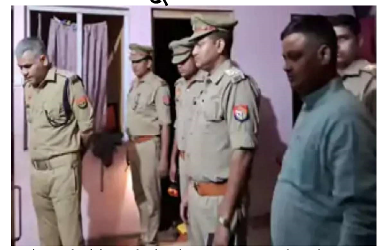

संवाददाता—देवरिया। मईल क्षेत्र के बिसौली माफी गांव में नशे में धुत एक व्यक्ति ने गुरुवार की रात कहासुनी के बाद अपनी पत्नी और (12) वर्षीय बेटी की शीलबट्टे से कूंच कर हत्या कर दी।इस हैवानियत के बाद मां और बेटी के शव को कमरे में बंद कर वह फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने देर रात ताला तोड़कर कर पत्नी व बेटी के शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इसके साथ ही देर रात पुलिस ने आरोपी पति को भी गिरफ्तार कर लिया।

गुरुवार की रात एक पति ने अपनी पत्नी और बारह वर्षीय बेटी की सिलबट्टे से कूंचकर हत्या कर दी। हत्या के बाद पत्नी और बेटी के शव को कमरे में बंद कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने देर रात ताला तोड़कर कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।वहीं पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। एसपी संकल्प शर्मा ने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह लुधियाना में नौकरी करता था लेकिन पिछले सात—आठ महीनों से घर पर ही रह रहा था। इसी को लेकर उसकी पत्नी अक्सर ताने मारा करती थी, जिससे आये दिन घर में झगड़ा होता था।

दरअसल, थाना मईल क्षेत्र के ग्राम बिसौली माफी निवासी बबलू प्रसाद ने 13 साल पहले अपने से 6 साल बड़ी युवती दुर्गा से लव मैरिज की थी। शादी के बाद दंपति के एक बेटी व तीन बेटे हुए। बबलू अपने पिता के साथ लुधियाना में नौकरी करता था। लेकिन बबलू पिछले सात—आठ महीनों से अपने गांव पर ही रह रहा था और कोई काम—धंधा नहीं करता था। जिसकी वजह से आये दिन घर में कलह होती थी।

गुरुवार की शाम को बबलू शराब पीकर घर आया। इसको लेकर पत्नी से उसकी कहासुनी होने लगी। इसी दौरान बबलू ने घर में मौजूद सिलबट्टे से दुर्गावती सिर पर वार कर दिया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यह देख उसकी बेटी प्रीति चीखने—चिल्लाने लगी। इस बबलू बौखला गया। बेटी के भी सिर पर वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया। घर के आंगन में दो लाशें पड़ी देख हड़कंप मच गया। आसपास खून ही खून दिखाई दे रहा था। इसके बाद दोनों को मरा देख बबलू ने शवों को कमरे में बंद कर दिया।

पड़ोसियों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष गोरखनाथ सरोज मौके पर पहुंचे और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। सूचना पर एसपी संकल्प शर्मा ने भी मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

गांव वालों की माने तो बबलू शराब का नशा भी करने लगा था। आए दिन घर पर आकर वह झगड़ा करता था। बीती रात जब वह घर पहुंचा तो पत्नी से नौकरी को लेकर झगड़ा शुरू हो गया। विवाद इतना बढ़ा की बबलू ने सिलबट्टे से पत्नी का सिर कूच दिया और जब बीच—बचाव करने बेटी आई तो उसे भी मार डाला। चीखने चिल्लाने की आवाज पर हम लोग वहां पहुंचे तो हर तरफ खून ही खून फैला था।

एसपी संकल्प शर्मा ने बताया कि आरोपी बबलू को पकड़ लिया गया। पूछताछ में बबलू ने अपना जुर्म कुबूल कर लिया है। पुलिस उसे कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेजने की तैयारी में है। आरोपी के तीनों बेटों को उसकी बुआ के घर पर भेज दिया गया है।

बसपा प्रमुख मायावती आज श्रावस्ती आएंगी

संवाददाता—श्रावस्ती। अपने प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान करने की अपील को लेकर श्रावस्ती में बड़े नेताओं का आगमन जारी है। शनिवार को बसपा प्रमुख मायावती श्रावस्ती आएंगी। जिलाध्यक्ष श्रवण कुमार पासी ने बताया कि बहन मायावती दोपहर 12.30 बजे बौद्ध स्थली कार्यक्रम स्थल निकट चाइना मन्दिर श्रावस्ती पहुंचेंगी। यहां वह जनसभा को संबोधित करेंगी। उन्होंने बताया कि आगमन को लेकर पार्टी के स्थानीय कार्यकर्ता व लखनऊ से आए पार्टी पदाधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया है।

संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर रखें कड़ी निगरानी –प्रेक्षक

संवाददाता—श्रावस्ती। लोकसभा चुनाव को देखते हुए भारत निर्वाचन आयोग से नामित सामान्य प्रेक्षक किशोर कुमार ने तहसील इकौना क्षेत्र में भ्रमण कर कई मतदान केन्द्रों का जायजा लिया। उन्होंने मतदान केन्द्रों पर तैयारियों का निरीक्षण किया। इसके साथ ही संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया। प्रेक्षक ने कम्पोजिट विद्यालय महजिदिया, प्राथमिक विद्यालय मदारा व उच्च प्राथमिक विद्यालय जयचंदपुर कटघरा का निरीक्षण किया। प्रेक्षक ने मतदान केंद्र पर मूलभूत सुविधाओं जैसे बिजली, पानी, सफाई, शौचालय और दिव्यांग के लिए व्हीलचेयर की व्यवस्था कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदान को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराया जाए। इस दौरान उन्होंने संवेदनशील बूथों की भी जानकारी ली तथा प्रशासन एवं पुलिस अधिकारियों को सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी इकौना ओम प्रकाश व नायब तहसीलदार इकौना प्रांजल त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पत्नी समेत हत्या के तीन आरोपी गिरफ्तार, जेल भेजे गए

संवाददाता—श्रावस्ती। पत्नी समेत तीन हत्यारोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। थाने लाकर आरोपियों को जेल भेज दिया गया। मृतक के पिता की तहरीर पर पुलिस ने पत्नी समेत चार के विरुद्ध हत्या का मामला दर्ज किया था। इकौना थाना क्षेत्र के लाल बनकटी निवासी त्रिलोकी पुत्र जगतराम बुधवार को अपने ससुराल सोनवा थाना क्षेत्र के बदंगी पुरवा आया था। पत्नी को ले जाने को लेकर ससुराली जनों से विवाद हो गया। जिसके बाद दूसरे दिन सुबह ससुराल में ही अहाते में त्रिलोकी की लाश फंदे से लटकी पाई गई थी। मृतक के पिता जगतराम पुत्र मोहनलाल ने मृतक की पत्नी समेत चार लोगों पर हत्या का आरोप लगाते हुए सोनवा थाने में मामला दर्ज कराया। पिता का आरोप था कि मेरे लड़के की हत्या करके सबूत छिपाने के लिए अपने घर से थोड़ी दूर पर एक पेड़ में साड़ी का फंदा लगाकर लाश को लटका दिया है। पुलिस मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही थी। शुक्रवार को प्रभारी निरीक्षक थाना सोनवा श्यामदेव चौधरी पुलिस टीम के साथ आरोपियों की तलाश में क्षेत्र में भ्रमण कर रहे थे। इस दौरान पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर हत्या के आरोपियों ससुर जिलेदार पुत्र अन्नू, सास नन्दनी पत्नी जिलेदार व मृतक की पत्नी बिजली पुत्री जिलेदार को लक्ष्मननगर गिलौला मार्ग से गिरफ्तार कर लिया। साथ ही घटना में प्रयुक्त आलाकत्ल बांस का डंडा भी बरामद कर लिया। आरोपियों को जेल भेज दिया गया। गिरफ्तारी टीम में प्रभारी निरीक्षक के साथ मुख्य आरक्षी धर्मेन्द्र प्रसाद, आरक्षी अमित कुमार व महिला आरक्षी आकांक्षा चित्रांशी शामिल रहीं।

भागवत कथा 84 लाख योनियों से मुक्त करती है –जगतगुरु श्रीधराचार्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भगवान श्री राम की जन्म स्थली के मां सरयू के तट पर गोलाघाट में स्थित रसमोदकुंज मंदिर के गर्भगृह में वैशाख शुक्ल पक्ष की अक्षय तृतीया को बिहारिणी—बिहारी जू सरकार विराजमान हुए थे उनकी वर्षगांठ बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मंदिर परिसर में मनाया गया यह उत्सव और हर्षोल्लास का वातावरण देख परिसर में स्थित भक्तजन आह्लादित हो उठे। प्रातः काल की बेला में सर्वप्रथम भगवान का पंचामृत और औषधियों से अभिषेक—पूजन हुआ। तदुपरांत नवीन वस्त्र धारण कराकर उनका भव्य श्रृंगार किया गया और मठ के पुजारी द्वारा रसमोद कुंज बिहारिणी—बिहारी जू की भव्य आरती उतारी गई। सायंकाल जन्म बधाई का कार्यक्रम हुआ, जिसमें रामनगरी के कई नामचीन कलाकारों ने अपनी—अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रसमोद कुंज पीठाधीश्वर महंत रामप्रिया शरण गिरधारी महाराज ने कलाकारों को नेग—न्यौछावर भेंट कि और बताया कि ठाकुर जी के साथ हनुमत निवासाधीश स्वामी गोमती दास महाराज का प्राकट्योत्सव भी मनाया जाता है। इस मौके पर जन्म बधाई का कार्यक्रम भी हुआ। स्वामी गोमती दास महाराज बहुत ही सिद्ध संत थे। सरलता तो उनमें देखते ही झलकती थी।

बधाई गान से गुंजायमान हुआ मंदिर परिसर, मंत्रमुग्ध हुए श्रद्धालु

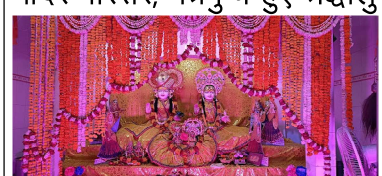

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भगवान श्री राम की जन्म स्थली के मां सरयू के तट पर गोलाघाट में स्थित रसमोदकुंज मंदिर के गर्भगृह में वैशाख शुक्ल पक्ष की अक्षय तृतीया को बिहारिणी—बिहारी जू सरकार विराजमान हुए थे उनकी वर्षगांठ बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मंदिर परिसर में मनाया गया यह उत्सव और हर्षोल्लास का वातावरण देख परिसर में स्थित भक्तजन आह्लादित हो उठे। प्रातः काल की बेला में सर्वप्रथम भगवान का पंचामृत और औषधियों से अभिषेक—पूजन हुआ। तदुपरांत नवीन वस्त्र धारण कराकर उनका भव्य श्रृंगार किया गया और मठ के पुजारी द्वारा रसमोद कुंज बिहारिणी—बिहारी जू की भव्य आरती उतारी गई। सायंकाल जन्म बधाई का कार्यक्रम हुआ, जिसमें रामनगरी के कई नामचीन कलाकारों ने अपनी—अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

रसमोद कुंज पीठाधीश्वर महंत रामप्रिया शरण गिरधारी महाराज ने कलाकारों को नेग—न्यौछावर भेंट कि और बताया कि ठाकुर जी के साथ हनुमत निवासाधीश स्वामी गोमती दास महाराज का प्राकट्योत्सव भी मनाया जाता है। इस मौके पर जन्म बधाई का कार्यक्रम भी हुआ। स्वामी गोमती दास महाराज बहुत ही सिद्ध संत थे। सरलता तो उनमें देखते ही झलकती थी। उन्होंने जीवन भर दीन—दुखियों और निराश्रितों की सेवा की।व्यास राघवेन्द्र शरण व्यास राजेन्द्र पांडे लाल जी शरण आशीष कुमार जयराम दास पुजारी पंडित अनिरुद्ध शरण पुजारी रामस्वरूप शरण सहित आदि भक्त गण उपस्थित रहे।

बिजली के खंभे से टकराई छात्रों की बाइक, एक की मौत- दो घायल

संवाददाता—बहराइच। स्कूल जा रहे छात्रों की बाइक बिजली के खंभे से टकरा गई। एक छात्र की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो अन्य छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शिवपुर में चल रहा है। दुर्घटना शिवपुर मार्ग स्थित रसईपुरवा गांव निकट शुक्रवार सुबह आठ बजे हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। रसईपुरवा निवासी 20 वर्षीय जय राम विश्वकर्मा शिवपुरा स्थित राधा आदर्श बाल विद्या मंदिर का कक्षा दस का छात्र था। उसके साथ गांव के ही 14 वर्षीय मोहित पाठक पुत्र राम सूरत व श्रवण कुमार पुत्र अयोध्या प्रसाद उसी स्कूल में पढ़ने जा रहे थे। जयराम के पिता राम गोपाल विश्वकर्मा ने एक सप्ताह पूर्व बाइक खरीदी थी। जयराम गांव के दो दोस्तों को लेकर शुक्रवार सुबह स्कूल के लिए निकला। अचानक मोड़ पर बाइक बिजली पोल से टकरा गई। जयराम का सिर फट गया जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। श्रवण व मोहित घायल होकर सड़क पर छटपटाने लगे। राहगीरों ने उन्हें एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया। सभी को जिला मेमोरियल चिकित्सालय पहुंचाया गया। चिकित्सक ने जयराम को मृत घोषित कर दिया। मोहित व श्रवण की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शिवपुर में भर्ती कराया गया है। ललिया के प्रभारी निरीक्षक मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि दुर्घटना सुबह आठ बजे हुई है। जयराम के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले की छानबीन की जा रही है।

जयराम तीन भाई हैं। लक्ष्मन व अनंतराम गांव पर ही रहते हैं। जयराम की मौत पर माता गंगाजली व पिता राम गोपाल का रो रोकर बुरा हाल है। उनकी आंखों के आंसू सूख चुके हैं। वे रह—रहकर बेहोश हो जा रहे हैं। गांव के तमाम लोग उन्हें समझाने बुझाने में लगे थे लेकिन वे किसी की बात नहीं सुन रहे थे। भाइयों व भाभियों का हाल भी बेहाल है। भतीजे रो रोकर अपने चाचा जयराम को याद कर रहे थे। परिवार का कोई भी सदस्य ग्रामीणों की बात सुनने को तैयार नहीं था। महिलाएं गंगाजली को ढांढस बंधा रही थीं लेकिन वह बदहोश थीं। उन्हें किसी की बात का कोई ध्यान नहीं था। जयराम की शादी अभी नहीं हुई थी। गांव में पड़ोसियों के घर चूल्हे नहीं जले। किसी के घर खाना नहीं बना था। श्रवण व मोहित के घर सन्नाटा पसरा था। उनके माता— पिता बेहद परेशान थे। बेटों के इलाज के लिए वह सीएचसी, शिवपुर में पहुंच गए। ग्रामीणों ने बताया कि शुक्रवार सुबह उनके परिवार में बेहद खुशी का माहौल था। दोनों की माताओं ने टिफिन में उनका मनपसंद भोजन पैक किया था। उन्हें उम्मीद थी कि बच्चे ठीक—ठाक हालत में घर लौटेंगे। दुर्घटना होने पर परिवार के लोग आहत हैं। लोग बेटों के इलाज में व्यस्त हैं। वहीं बेटों के दोस्त की मौत ने उन्हें भी आहत किया है।

जुमे की नमाज के दौरान किन्नरों में खूनी संघर्ष, चार घायल

संवाददाता—बहराइच। रिसिया इलाके के मुकेरिया गांव में शुक्रवार दोपहर जुमे की नमाज के दौरान मस्जिद के बाहर में खड़े किन्नरों के गुट पर दूसरे किन्नरों के हमलावर गुट ने लाठी डंडों से जमकर मारपीट की। जिसमें चार किन्नर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को थाने लाए जाने पर न मेडिकल कराया गया और न ही रिपोर्ट दर्ज की गई। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

नेपाल के हाजी बिस्मिल्ला शाह उर्फ गुड़िया किन्नर अपने अखाड़े के किन्नरों के साथ शहर स्थित दरगाह आ रहे थे। रिसिया थाने के मुकेरिया गांव में वह जुमे की नमाज को चालक के साथ गए। वह दोनों नमाज पढ़ रहे थे। जबकि मस्जिद के बाहर बगल में दरगाह थाने के बख्शीपुरा निवासी किन्नर हसीना उर्फ मुस्कान, नगीना, सना खां, आरती बाहर खड़े उनका इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान दो वाहनों पर सवार होकर किन्नरों का दूसरा गुट पहुंचा। जब तक वह कुछ समझ पाए, हमलावरों ने हसीना मुस्कान सहित चारों पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। हमले में हसीना का कान फट गया है। वह गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश है। चारों घायलों को थाने लाया गया। एसएचओ वीवीआईपी ड्यूटी पर गए थे। पुलिस ने न तो केस दर्ज किया, और न ही मेडिकल कराया। घायलों को शहर लाकर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एसएचओ प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि वह वीवीआईपी ड्यूटी पर गए थे। तहरीर नहीं मिली है, तहरीर मिलने पर कार्यवाई की जाएगी।

गृहमंत्री अमित शाह की जनसभा टामसन में कल

संवाददाता—गोण्डा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह रविवार को शहर के शहीदे आजम सरदार भगत सिंह (टॉमसन) इंटर कॉलेज में आ रहे हैं । वह भाजपा प्रत्याशी कीर्ति वर्धन सिंह के समर्थन में जनसभा करेंगे। गृहमंत्री के आगमन को लेकर शुक्रवार को जिला कार्यालय पर तैयारी बैठक हुई । बैठक में अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा व क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राहुल राज रस्तोगी उपस्थित रहे। क्षेत्रीय अध्यक्ष भाजपा कमलेश मिश्रा ने बताया कि गृहमंत्री अमित शाह की जनसभा 12 मई को टामसन मैदान में होगी। भाजपा जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप ने बताया कि जनसभा की तैयारियां को जल्द ही उसे अंतिम रूप दिया जाएगा। बैठक में सोशल मीडिया क्षेत्रीय सह संयोजक मनोज त्रिवेदी,जिला महामंत्री आशीष त्रिपाठी, जसवंत लाल सोनकर, रंजीत बाबा, जनार्दन प्रसाद तिवारी,मनकापुर राजीव रस्तोगी, गौरा प्रमोद आर्य चंचल, बृजेंद्र तिवारी, डॉ. रामानंद तिवारी, श्रवण शुक्ल, यूपी सिंह, संदीप पांडे, सुधीर श्रीवास्तव, जिला उपाध्यक्ष अनुपम प्रकाश मिश्रा, दीपक अग्रवाल, राजेश राय चंदानी, जिला मंत्री अजय सिंह पिंकू,विनय शर्मा, नगर पालिका नवाबगंज अध्यक्ष सतेंद्र सिंह, उतरौला अध्यक्ष अनूप चंद्र गुप्ता, ब्लाक प्रमुख छपिया अनिल पासवान, ब्लॉक प्रमुख बभनजोत नीरज पटेल, भारत भूषण वर्मा, शेष राम बारी,पंकज सिंह, युवा मोर्चा दीपक गुप्ता,पिछड़ा मोर्चा प्रिंस चौरसिया, अनुसूचित मोर्चा नंदकिशोर नंदू, महिला मोर्चा वीना राय राजभर, सोशल मीडिया संयोजक अविनाश जयसवाल, आईटी संयोजक शशांक मिश्रा, वेद प्रकाश दुबे, संदीप पांडे राजेश सिंह, कोषाध्यक्ष प्रदीप मिश्रा, मनीष द्विवेदी रहे।

बच्चों की पढ़ाई में शिथिलता पर होगी कड़ी कार्रवाई- डीएम

संवाददाता—श्रावस्ती। शुक्रवार को मतदान केन्द्रों का निरीक्षण करने पहुंची डीएम कृतिका शर्मा ने स्कूलों में बच्चों की पढ़ाई का स्तर भी देखा। इस दौरान बच्चों की पढ़ाई कमजोर होने पर संबंधित शिक्षक पर कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी दी।

डीएम ने विकास खण्ड गिलौला के मतदेय स्थल प्राथमिक विद्यालय अहिराघाटी, प्राथमिक विद्यालय खैराकला, प्राथमिक विद्यालय औरैया निधान, गौरी शंकर टंडन नेहरू स्मारक इंटर कालेज, प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालय तिलकपुर एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय सुविख्या का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान मतदान केन्द्रों में सभी व्यवस्थाएं चुस्त दुरुस्त रखने का निर्देश खंड विकास अधिकारी गौरव पुरोहित को दिया। इस दौरान पोलिंग पार्टी के आवागमन का रास्ता, फर्नीचर, विद्युत कनेक्शन व वायरिंग, शौचालय तथा दिव्यांग मतदाताओं के लिए रैम्प के साथ ही साथ पेयजल, बाउन्ड्रीवाल एवं साफ—सफाई की समुचित व्यवस्था कराने का निर्देश दिया। इस दौरान प्रत्येक मतदेय स्थल पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की संख्या व नाम, मतदेय स्थल की संख्या व नाम, निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी का पदनाम, सम्बन्धित उपजिलाधिकारी का नाम, सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी का पदनाम, खण्ड विकास अधिकारी का नाम, सुपर वाइजर का नाम व पद, बीएलओ का नाम व पद, मतदाता पंजीकरण केन्द्र का नाम एवं सम्बन्धित क्षेत्र के थानाध्यक्ष का नाम व नम्बर अंकित कराने का निर्देश दिया। मतदान केन्द्रों के निरीक्षण के दौरान डीएम ने कक्षाओं में जाकर बच्चों की शिक्षा का स्तर देखा। बच्चों को खुद पढ़ाया और किताब पढ़ाई तथा लिखाया। उन्होंने अध्यापकों को निर्देश दिया कि किसी प्रकार की लापरवाही न होने पाए। शिक्षा में लापरवाही पर शिक्षकों पर कड़ी कार्रवाई होगी। निरीक्षण के दौरान खंड विकास अधिकारी गौरव पुरोहित मौजूद रहे।

त्याग तपस्या वैराग्य और सेवा के प्रतिमूर्ति थे गुरुदेव भगवान -श्रीधर दास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भगवान श्री राम की जन्म स्थली के मां सरयू के तट पर गोलाघाट में स्थित रसमोदकुंज मंदिर के गर्भगृह में वैशाख शुक्ल पक्ष की अक्षय तृतीया को बिहारिणी—बिहारी जू सरकार विराजमान हुए थे उनकी वर्षगांठ बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मंदिर परिसर में मनाया गया यह उत्सव और हर्षोल्लास का वातावरण देख परिसर में स्थित भक्तजन आह्लादित हो उठे। प्रातः काल की बेला में सर्वप्रथम भगवान का पंचामृत और औषधियों से अभिषेक—पूजन हुआ। तदुपरांत नवीन वस्त्र धारण कराकर उनका भव्य श्रृंगार किया गया और मठ के पुजारी द्वारा रसमोद कुंज बिहारिणी—बिहारी जू की भव्य आरती उतारी गई। सायंकाल जन्म बधाई का कार्यक्रम हुआ, जिसमें रामनगरी के कई नामचीन कलाकारों ने अपनी—अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से

लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रसमोद कुंज पीठाधीश्वर महंत रामप्रिया शरण गिरधारी महाराज ने कलाकारों को नेग—न्यौछावर भेंट कि और बताया कि ठाकुर जी के साथ हनुमत निवासाधीश स्वामी गोमती दास महाराज का प्राकट्योत्सव भी मनाया जाता है। इस मौके पर जन्म बधाई का कार्यक्रम भी हुआ। स्वामी गोमती दास महाराज बहुत ही सिद्ध संत थे। सरलता तो उनमें देखते ही झलकती थी। उन्होंने जीवन भर दीन—दुखियों और निराश्रितों की सेवा की।व्यास राजेन्द्र पांडे लाल जी शरण आशीष कुमार जयराम दास पुजारी पंडित अनिरुद्ध शरण पुजारी रामस्वरूप शरण सहित आदि भक्त गण उपस्थित रहे।

रामराज का मतलब सबका सम्मान, सबकी सुरक्षा और सबका विकास -मुख्यमंत्री

संवाददाता-गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में श्रीराम मंदिर के निर्माण को लेकर सपा और कांग्रेस के कुछ नेताओं की तरफ से दिए गए बयान पर इन दोनों दलों पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि तीसरे चरण के मतदान तक हताश हो चुके विपक्ष के नेता अब भगवान राम पर टिप्पणी करने लगे हैं। कोई कहता है कि राम मंदिर बेकार है तो कोई कहता है कि राम मंदिर से जनता को क्या लाभ है। योगी ने कहा कि आतंकवादियों की पैरवी करने वालों को तो राम मंदिर बुरा ही लगेगा। सीएम योगी शुक्रवार को गोरखपुर संसदीय क्षेत्र से सांसद और भाजपा प्रत्याशी रविकिशन शुक्ल के नामांकन के बाद, उनके पक्ष में महंत दिग्विजयनाथ पार्क में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार में रहते हुए आज के विपक्ष ने राम जन्मभूमि पर आतंकी हमला करने वालों के खिलाफ, आज देश में हो रही कार्रवाई और यूपी में माफिया के खिलाफ हो रहे एक्शन जैसे कड़े कदम उठाए होते तो संकटमोचन मंदिर और कचहरी पर आतंकी हमले नहीं होते। उन्होंने कहा कि तब आतंकवाद पर घुटना टेकने की नीति का दुष्परिणाम रहा कि इन हमलों में हजारों लोगों को जान गंवानी पड़ी। मुख्यमंत्री ने कहा कि तीसरे चरण में लोकसभा का चुनाव अब उस मोड़ पर पहुंच गया है, जहां विपक्ष ने हार मान ली है। कांग्रेस, सपा और बसपा सबने हार स्वीकार कर ली है। तीन चरणों में 285 सीटों पर यानी पूरे देश के अंदर आधा चुनाव संपन्न हो चुका है। योगी ने कहा कि चुनाव प्रचार में देश के अंदर उन्हें नौ राज्यों में जाने का अवसर प्राप्त हुआ है। पूरे देश के अंदर एक ही स्वर फिर एक बार मोदी सरकार गूंज रहा है। देश की जनता के लिए सारी समस्याओं का समाधान रामराज है और इसी रामराज के लिए जनता बार-बार मोदी सरकार को चुन रही है। जनता यही कह रही है, जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे। हम उनको लाएंगे जिन्होंने रामराज की परिकल्पना को साकार किया है।

सीएम योगी ने कहा कि रामराज का मतलब सबका सम्मान, सबकी सुरक्षा, सबका विकास और गरीब कल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर तबके को बिना भेदभाव प्राप्त होना है। आज यह पीएम मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में साकार होता दिख रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व वाले आज के नए भारत में सम्मान, सुरक्षा, विकास, गरीब कल्याण के साथ आस्था का सम्मान भी है। आज के भारत में बेटी के जन्म से लेकर विवाह तक की योजना है, नौजवानों के लिए नौकरी व रोजगार है, किसानों के लिए योजनाएं हैं। हर घर नल, हर घर बिजली, हर घर रसोई गैस है। उन्होंने कहा कि आज देश में सबकुछ अच्छा है और इस अच्छे का श्रेय पीएम मोदी को तो जाता ही है, उससे अधिक जनता को जाता है क्योंकि 2014 में जनता ने ही मोदी जी को चुनकर भेजा। जनता ने मोदी को वोट दिया और उस वोट के कारण मोदी जी ने चमत्कार कर दिया, नए भारत का निर्माण कर दिया। सांसद एवं भाजपा प्रत्याशी रवि किशन ने भोजपुरी में अपनी बात रखते हुए कहा कि ई मंदिर क सीट बा। हम खड़ाऊं रखि के सेवा करत हईं। 2019 में इहो कहलीं अउर अजुओ इहे कहत हईं। सेवक रहलीं औ सेवक ही रहब। हमरे साथे महराज जी (सीएम योगी) क आशीरवाद बा अउर हम्मे का चाहीं। उन्होंने कहा कि जनता के एक-एक वोट से देश-प्रदेश में मोदी-योगी की जोड़ी ने रामराज की स्थापना कर दी है। जनसभा में प्रमुख रूप से भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. धर्मेन्द्र सिंह, जिलाध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह, महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता, लोकसभा प्रभारी जनार्दन, कुशीनगर के सांसद विजय दूबे समेत भाजपा और सहयोगी दलों के सभी प्रमुख पदाधिकारियों की मौजूदगी रही।

सीएम योगी ने जनसभा में कार्यकर्ताओं को बड़ी जिम्मेदारी भी सौंपी। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान प्रत्याशी के लिए घर-घर जाना संभव नहीं होगा। एक संसदीय क्षेत्र में हजारों गांव व कई निकाय होते हैं। प्रत्याशी शक्तिकेंद्रों पर जाकर ही जनता से मिल पाएगा। ऐसे में आप सभी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को मोदी जी की तरफ से, मेरी तरफ से गोरखपुर में खुद रविकिशन बनना पड़ेगा। रविकिशन बनकर घर-घर जाना पड़ेगा। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया तो सभी ने एक स्वर में हुंकार भरी।

सीएम योगी ने कहा कि आज देश में बिना चेहरा देखे 80 करोड़ लोगों को राशन मिल रहा है, जबकि कांग्रेस, सपा और बसपा के समय में चेहरा देखकर राशन दिया जाता था। आज 60 करोड़ लोगों को पांच लाख रुपये के निशुल्क इलाज वाली आयुष्मान योजना की सुविधा मिल रही है। बिना चेहरा देखे, पात्रता के आधार पर 50 करोड़ लोगों के जनधन एकाउंट खुल गए हैं जिससे अब योजनाओं का पैसा सीधे लाभार्थी के खाते में जाता है। 12 करोड़ किसानों को किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है जबकि पहले किसान आत्महत्या करने को मजबूर थे। 12 करोड़ घरों में शौचालय बन गए हैं। 10 करोड़ घरों में उज्जवला योजना के तहत रसोई गैस के कनेक्शन हैं। चार करोड़ लोगों के मकान बन गए हैं, अकेले एक लाख मकान गोरखपुर में बने हैं।

रुद्राभिषेक कर सीएम योगी ने प्रदेशवासियों के लिए कामना की, अक्षय तृतीया व परशुराम जयंती की शुभकामनाएं दीं

संवाददाता-गोरखपुर। स्वयं सिद्ध मुहूर्तों से सुसंपन्न अक्षय तृतीया की पावन तिथि पर शुक्रवार प्रातः बेला में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में रुद्राभिषेक कर भगवान भोलेनाथ से प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। सीएम ने सभी नागरिकों को अक्षय तृतीया की हार्दिक बधाई भी दी। गोरखनाथ मंदिर स्थित पीठाधीश्वर आवास के प्रथम तल पर शक्तिपीठ में सीएम योगी ने देवाधिदेव महादेव को विल्व पत्र, कमल पुष्प, दूर्वा आदि अर्पित करने कर बाद दूध एवं फलों के रस से रुद्राभिषेक किया। मठ के विद्वत पुरोहितगण ने शुक्ल यजुर्वेद संहिता के रुद्राष्टाध्यायी के महामंत्रों द्वारा रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण कराया। रुद्राभिषेक के बाद मुख्यमंत्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन व आरती की। विधि विधान से पूर्ण हुए अनुष्ठान के उपरांत उन्होंने प्रदेशवासियों के आरोग्यमय, सुखमय, समृद्धमय व शांतिमय जीवन की मंगलकामना की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अक्षय तृतीया पर्व पर सभी नागरिकों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा, श्सौभाग्य व समृद्धि के पावन पर्व अक्षय तृतीया की प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। त्रिभुवन स्वामी भगवान श्री विष्णु जी एवं मां लक्ष्मी जी से प्रार्थना है कि सभी का जीवन सुख-शांति, संपन्नता व उत्तम स्वास्थ्य से परिपूर्ण हो। अक्षय तृतीया के पावन तिथि को ही भगवान परशुराम का अवतरण भी हुआ था। यह तिथि परशुराम जयंती के रूप में भी मनाई जाती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को भगवान परशुराम जयंती की भी शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक संदेश जारी कर कहा, श्भगवान विष्णु के आवेशावतार, भक्ति, शक्ति एवं विद्वता के शाश्वत प्रतीक, भगवान श्री परशुराम की जयंती पर प्रदेश वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। अपने ज्ञान, शौर्य व तपोबल से न्याय की स्थापना करने वाले भगवान परशुराम को नमन। महायोगी गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने महाराष्ट्र से आए श्रद्धालुओं के एक बड़े समूह की नजर जैसे ही गोरखनाथ मंदिर परिसर का भ्रमण कर रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर पड़ी तो समूह में शामिल लोग खुशी से झूम उठे। सैकड़ों की संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं ने जय श्रीराम और योगी-योगी के जयकारे लगाने शुरू कर दिए। इन श्रद्धालुओं के उत्साह और उल्लास को देखते हुए मुख्यमंत्री उनके पास पहुंचे और अभिवादन कर उनका कुशलक्षेम जाना। उन्होंने मंदिर प्रबंधन से जुड़े लोगों को निर्देशित किया कि किसी भी श्रद्धालु को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होनी चाहिए।

कुत्तों के झुंड ने आठ साल के बच्चों को बनाया शिकार, नोच-नोचकर मार डाला

संवाददाता-सिद्धार्थनगर। नौगढ़ डिहवा में आधा दर्जन कुत्तों के झुंड ने मां के साथ घर के बाहर गए मासूम पर हमला कर उसे नोच डाला। इससे मासूम की मौत हो गई। मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। पुलिस ने बताया कि उसे सूचना मिली है तहरीर नहीं। वन विभाग को हिंसक कुत्तों को पकड़ने के लिए कहा गया है। थाना क्षेत्र के नौगढ़ डिहवा जो शहर का हिस्सा है वहां का निवासी मोजम्मिल (7) पुत्र अब्दुल मोईद अपनी मां शहरुन निशा के साथ शुक्रवार को घर के बाहर एक खाली जगह की तरफ कूड़ा डालने गया था। वहां पर मौजूद पेड़ के नीचे वह खेलने लगा तभी छह-सात की संख्या में पहुंचे आवारा कुत्तों के झुंड

ने मासूम पर हमला कर दिया। बच्चा चीखा भी लेकिन मां सुन नहीं सकी क्योंकि उसे काफी कम सुनाई देता है। वह जब कूड़ा फेक कर पलटी तो अपने दिल के टुकड़े को कुत्तों के हमले में फंसा देख कर शोर मचाने लगी। जब तक लोग पहुंचते कुत्तों ने उसे नोच खाया था। बताया जा रहा है कि मासूम की मौके पर ही मौत हो गई थी पर परिवार के लोग इस उम्मीद में जिला अस्पताल ले गए कि मुमकिन है कि सांसों की डोर जुट जाए। डॉक्टरों ने देखते ही मृत घोषित कर दिया। तीन भाइयों में सबसे छोटे मोजम्मिल की मौत से पूरे परिवार में कोहराम मच गया है। परिजन जिला अस्पताल से मोजम्मिल का शव लेकर घर चले आए हैं। नौगढ़ चौकी इंचार्ज अनूप मिश्र ने बताया कि कुत्तों के हमले में मासूम की मौत की खबर मिली है लेकिन किसी ने तहरीर नहीं दी है। उन्होंने बताया कि वन विभाग को सूचना दे दी गई और मांग की गई है कि हिसंक कुत्तों को पकड़वा लें।

वित्त एवं लेखाधिकारी बेसिक का लिपिक घूस लेते गिरफ्तार

संवाददाता-संतकबीरनगर। जिले के वित्त एवं लेखाधिकारी बेसिक विभाग में तैनात एक लिपिक को एंटी करप्शन टीम ने 50 हजार रुपए घूस लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। टीम बाबू को गिरफ्तार कर कोतवाली ले आई। नाथनगर के नैनाझाला के शिक्षक कृष्ण चंद्र ने बताया कि उनका वेतन विसंगति का मामला लटका हुआ था। कई बार कहने के बाद भी दुरुस्त नहीं किया गया। वित्त एवं लेखाधिकारी बेसिक विभाग में तैनात लिपिक शरदेंदु विसंगति ठीक करने के नाम पर 50 हजार रुपए मांग रहा था। काफी परेशान होने के बाद एंटी करप्शन विभाग से सम्पर्क किया। एंटी करप्शन विभाग ने मामले की तहकीकात करने के बाद प्लान तैयार किया। सारी तैयारी करने के बाद छापे की कार्रवाई शुरू की। शिक्षक कृष्ण चंद्र को केमिकल लगे 500-500 के नोट सौंप कर बाबू को देने के लिए भेजा। शिक्षक कृष्ण चंद्र ने जैसे ही लिपिक शरदेंदु को रुपए सौंपे तुरंत एंटी करप्शन विभाग की टीम ने गिरफ्तार कर लिया। टीम गिरफ्तार लिपिक को लेकर कोतवाली खलीलाबाद पहुंची।

काकोरी एक्शन का आजादी के संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका -सूर्यकांत

संवाददाता-अयोध्या। अशफाक उल्ला खां मेमोरियल शहीद शोध संस्थान ने काकोरी एक्शन का शताब्दी वर्ष मनाने के लिए शुक्रवार को 'लोगो जारी किया। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम दिवस पर जारी 'लोगो सालभर चलने वाले काकोरी एक्शन शताब्दी वर्ष के लिए देशभर में प्रयोग किया जाएगा। इस मौके पर संस्थान के प्रबंध निदेशक सूर्यकांत पाण्डेय ने कहा कि काकोरी एक्शन का आजादी के संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका है। काकोरी एक्शन के नायकों ने आजादी के मकसद से आवाम को अवगत कराया। इन्हीं शहीदों ने आजादी के बाद समाजवादी व्यवस्था की कल्पना भी किया। उन्होंने कहा कि समाज में बराबरी तथा जातिविहीन व्यवस्था की वकालत किया। कचेहरी के पास स्थित शहीद उद्यान में स्थापित काकोरी के शहीदों की प्रतिमा के समक्ष लोगो जारी करने वालों में अधिवक्ता गिरीश तिवारी, कप्तान सिंह, भूपेंद्र सिंह, तुषार श्रीवास्तव, अनुराग तिवारी, नीरज, नवीन पाण्डेय, जय सिंह, कैलाश गौड़, पारसनाथ, उमानाथ दूबे, सुशील कुमार तिवारी, अमित तिवारी, सूर्या यादव, अरुण पाण्डेय, पुष्पेन्द्र सिंह, केशवराम, विश्व प्रताप सिंह अंशु, अंकित पाण्डेय व अन्य मौजूद रहे।

5.83 लाख के साथ 30 हजार अतिरिक्त अदा करे एसबीआई जनरल बीमा कंपनी

संवाददाता-संतकबीरनगर। जिले में जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार सिंह व महिला सदस्य संतोष ने दुकान व गोदाम का बीमा कराने के बाद हुए नुकसान का भरपाई न करने पर एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी के खिलाफ फैसला सुनाया है। नुकसान की रकम रुपए पांच लाख 83 हजार 728 के साथ रुपए 30 हजार अतिरिक्त 10 प्रतिशत ब्याज के साथ 60 दिनों में अदा करने का आदेश दिया है।

कोतवाली खलीलाबाद के इंडस्ट्रियल एरिया के निवासी शेखू खान पुत्र बेलाल अहमद ने अपने अधिवक्ता अन्जय कुमार श्रीवास्तव के माध्यम से न्यायालय में मुकदमा दाखिल किया। कहा कि वह प्लाई, माइका व फर्नीचर का कारोबार करते हैं। उन्होंने अपने दुकान व गोदाम का रुपए 32 लाख छह हजार रुपए का बीमा एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी से करा रखा है, जिसके प्रीमियम का भुगतान भी करते हैं। 17 मार्च 2023 को उनके फर्म के ड्राइवर अरुण कुमार दुबे गोरखपुर माल भेजने के लिए गाड़ी गोदाम में लगा रहे थे। उसी दौरान वाहन अनियंत्रित होकर माइका के बंडलों के ऊपर चढ़ गई, जिससे छह लाख पांच हजार रुपए की माइका टूटकर बेकार हो गई। मामले में मुकामी थाने में प्रथम सूचना रिपोर्ट भी दर्ज हुई। सर्वेयर के द्वारा क्षतिग्रस्त सामानों के मूल्य का आंकलन कर रुपए पांच लाख 83 हजार 728 स्वीकृत होने की बात कही गई। बावजूद इसके काफी भाग-दौड़ करने के बाद भी दावे का भुगतान नहीं किया गया। थक-हार कर न्यायालय की शरण में आना पड़ा। न्यायालय ने पत्रावली पर दाखिल प्रपत्रों व साक्ष्यों का अवलोकन करने तथा अधिवक्ता की बहस सुनने के उपरांत बीमा कंपनी के खिलाफ फैसला सुनाया। पांच लाख 83 हजार 728 रुपए घटना के दिनांक से अंतिम भुगतान की तिथि तक 10 प्रतिशत ब्याज के साथ वाद व्यय व क्षतिपूर्ति के रूप में 30 हजार अतिरिक्त 60 दिनों के भीतर अदा करने का आदेश दिया है।

ईंट भट्ठों पर बनी अवैध कच्ची शराब तो मालिक पर होगी एफआईआर

संवाददाता-गोरखपुर। लोकसभा चुनाव को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस-प्रशासन की ओर से कार्रवाई तेज कर दी गई है। जिले के ईंट भट्ठों पर अवैध ढंग से कच्ची शराब बनाकर बेचने के मामले में भट्ठा मालिक की भी कार्रवाई की जद में आएंगे। पुलिस की ओर से इस बात की हिदायत दी जा रही है। नोटिस जारी करके भट्ठा मालिकों को अवैध शराब के धंधे की रोकथाम में मदद मांगी जा रही है। जिले में करीब 447 ईंट भट्ठों का संचालन हो रहा है। यहां ज्यादातर बाहरी मजदूरी काम करते हैं। कुछ जगहों पर मजदूर अपने पीने के लिए अवैध ढंग से कच्ची शराब बनाते हैं। जिसकी बिक्री करके रुपये भी कमाते हैं। अवैध ढंग से बनी शराब के पीने के बाद जान जाने का भी खतरा होता है। चुनावों में अवैध शराब की खपत भी खूब होती है। इसको देखते हुए पुलिस की ओर से ईंट भट्ठा मालिकों को चेतावनी दी जा रही है। सभी थाना क्षेत्रों में स्थानीय पुलिस बीट पुलिस अधिकारियों के जरिए नोटिस भेजकर अवैध शराब की रोकथाम की अपील कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है यदि किसी ईंट भट्ठे पर अवैध शराब का धंधा मिला तो उसमें मालिक की सहभागिता मानी जाएगी। बारिश का सीजन करीब आने पर ईंट भट्ठों का काम ठप हो जाता है। 15 जून तक बिहार, झारखंड सहित अन्य जगहों से आए मजदूर लौट जाते हैं। लेकिन इस बार लोकसभा चुनाव की वजह से अधिकांश मजदूर वोट डालने के लिए अपने गांव चले जाएंगे। इससे अधिकांश ईंट भट्ठों पर मजदूरों की संख्या कम हो जाएगी। लेकिन बचेखुचे मजदूर अपना शौक पूरा करने के लिए कच्ची शराब बना सकते हैं। एसएसपी ने कहा कि अवैध शराब बनाने और बेचने पर पूरी तरह से रोक है। पूरे जिले में अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। जो लोग भी इस तरह के कामों में संलिप्त पाए जाएंगे। उनके खिलाफ कार्रवाई होगी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की जनसभा 14 को

संवाददाता-गोरखपुर। बांसगांव लोकसभा क्षेत्र से इंडिया गठबंधन से कांग्रेस प्रत्याशी सदल प्रसाद के समर्थन में चौरीचौरा के माई धीया में 14 मई को कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जनसभा को संबोधित करेंगे। इंडिया गठबंधन के कुछ नेता भी शामिल होंगे। शुक्रवार को सदल प्रसाद के नामांकन में पूर्व उप मुख्यमंत्री बिहार तेजस्वी यादव (जनता दल), विधायक शिवपाल यादव (समाजवादी पार्टी), राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी (कांग्रेस), पूर्वमंत्री बिहार मुकेश साहनी, राज्यसभा सांसद संजय सिंह (आम आदमी पार्टी), राज्य सभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी को शामिल होना था। नामांकन के उपरांत ये इसी दिन ये सभी नेता कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन में चौरीचौरा में माईधीआ (रामलीला मैदान) में जनसभा को संबोधित करने वाले थे। सदल प्रसाद ने बताया कि फिलहाल अपरिहार्य कारणों से जनसभा स्थगित कर दी गई है, यह जनसभा अब 14 मई को पूर्व घोषित स्थल पर ही होगी।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रर्ह समायत अपील
अपील सं0
C 201817000000413
अदालत- श्रीमान अपर आयुक्त (प्रशासन) मण्डल बस्ती जिला-बस्ती
विजय प्रताप
बनाम
बेनी माधव आदि

1/1 बेकंटेश 1/2 घनश्याम 1/3 विश्वनाथ पुत्रगण बेनी माधव साकिनान मौजा सियरा सांथा तप्पा दक्खिन हवेली परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीर नगर 2. ग्राम पंचायत सियरा सांथा जरिये प्रधान ग्राम सियरा सांथा तप्पा दक्खिन हवेली परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीर नगर

तारीख पेशी 14-06-2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 14 महीना 06 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख 10 माह 05 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रर्ह समायत अपील
निगरानी वाद सं0
C 202117000000691
अदालत- श्रीमान उप संचालक चकबन्दी बस्ती जिला-बस्ती
सचिन आदि
बनाम
जनक आदि

1. जनक पुत्र मोतीलाल ग्राम अहरा तप्पा कोचरी परगना महुली पूरव तहसील धनघटा जिला संतकबीर नगर 2. भू0प्र0स0 जरिये अध्यक्ष ग्राम प्रधान ग्राम अहरा तप्पा कोचरी परगना महुली पूरव तहसील धनघटा जिला संतकबीर नगर 3. राज्य सरकार उ0प्र0 जरिये जिलाधिकारी संतकबीरनगर 4. नगर पंचायत हैंसर बाजार धनघटा जरिये अध्यक्ष नगर पंचायत तप्पा कोचरी परगना महुली पूरव तहसील धनघटा जिला संतकबीर नगर

तारीख पेशी 07-06-2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 07 महीना 06 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख 10 माह 05 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय-श्रीमान द्वादश अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला-बस्ती
वाद सं0 415/2020
राम किशोर
बनाम
कृष्णचन्द्र

1/1 राम चरित्र पाठक 1/2 हरी गोपाल पुत्रगण स्व0 कृष्णचन्द्र साकिनान मौजा सोनौरा तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरब तहसील रूधौली जिला-बस्ती

तारीख पेशी 22-05-2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 22 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबावदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 108/1995
अदालत-श्रीमान पंचम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला-बस्ती

पंचराम
बनाम
श्रीमती कृष्णा

1. श्रीमती कृष्णा पत्नी सूर्यकान्त साकिन तुरकौलिया तप्पा करी परगना महुली पूरब तहसील खलीलाबाद जिला-संतकबीरनगर

तारीख पेशी 23-07-2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 23 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हो और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्ख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

मस्टरोल के अनुरूप नहीं मिले मजदूर

संवाददाता-संतकबीरनगर। जिले के सेमरियावां के खंड विकास अधिकारी सुरेश चंद्र मौर्य ने विकास खंड के ग्राम पंचायत गरथवलिया तथा धर्मपुरा में मनरेगा कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान कार्यस्थल पर मस्टररोल के अनुसार मजदूर नहीं मिले। जिस पर उन्होंने चेतावनी के साथ कार्रवाई करने का निर्देश दिया। गरथवलिया में दो कार्यों पर 208 मजदूरों का मस्टररोल जारी है। शिव प्रसाद के खेत से राम प्रसाद के खेत तक बंधा पटाई कार्य का निरीक्षण किया। जिसपर 21 मजदूर कार्य करने मिले। धर्मपुरा में दो कार्य पर 193 मजदूर का मस्टररोल जारी है। बलिराम के खेत से सुभाष के खेत तक कठिनइया नाले की खुदाई व सफाई कार्य का निरीक्षण किया।

चुनावी मैदान में ताल ठोकेंगे भाजपा, सपा व बसपा समेत छह प्रत्याशी

संवाददाता-सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज लोकसभा क्षेत्र में नामांकन वापसी का समय खत्म हो चुका है। अब भाजपा, सपा, बसपा समेत छह प्रत्याशी चुनावी मैदान में रह गए हैं।

नामांकन वापसी की प्रक्रिया खत्म होने के बाद गुरुवार को सभी छह प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिया गया। अब 25 मई को मतदान के दिन 19.61 लाख मतदाता चुनावी मैदान में उतरने वाले छह प्रत्याशियों में से अपना रहनुमा चुनेंगे। चुनाव चिन्ह आवंटन के साथ ही गुरुवार देर शाम से धुंआधार प्रचार भी शुरू हो गया। डुमरियागंज लोकसभा क्षेत्र में इस बार के चुनाव में छह उम्मीदवार मैदान में हैं। इनमें सांसद व भाजपा प्रत्याशी जगदंबिका पाल, सपा-कांग्रेस गठबंधन से भीष्म शंकर उर्फ कुशल तिवारी, बसपा से मो. नदीम मिर्जा, आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) से शोहरतगढ़ के पूर्व विधायक अमर सिंह चौधरी, पीस पार्टी से नौशाद आजम, निर्दलीय किरन देवी शामिल हैं। गुरुवार को नाम वापसी और चुनाव चिन्ह आवंटन की प्रक्रिया पूरी होनी थी। इस दौरान किसी भी उम्मीदवार ने नाम वापस नहीं लिया। लिहाजा अब चुनावी मैदान में छह प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला 25 मई को 19.61 लाख वोटर करेंगे।

वर्ष 2029 के मुकाबले इस बार के लोकसभा चुनाव में चार प्रत्याशी कम हो गए। पिछली बार 10 उम्मीदवार मैदान में थे, जिनमें भाजपा से जगदंबिका पाल, सपा-बसपा गठबंधन से आफताब आलम, कांग्रेस से डॉ. चंद्रेश उपाध्याय समेत अर्जुन सिंह लोधी, केशव राजभर, केशरी नंदन, बृजेश कुमार, मो. इरफान, संजय कुमार चौहान और श्रवण कुमार

दैनिक
भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1-4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुदित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय
प्रबन्ध सम्पादक-दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक-प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या-फैजाबाद कार्यालय- चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या-फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय- आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय- इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9450567450 9336715406,
ई.मेलःbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com